Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 01
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 08 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

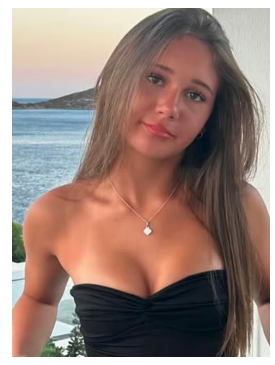

3 युवाओं से संवाद - भारतीय संस्कृति की विरासत... 4 जहरीली हवा से पिघलते पहाड़ों तक, भारत... 7 मलेशिया ओपन : पीवी सिंधू की जुझारू जीत...

संक्षिप्त न्यूज

नंदीग्राम आंदोलन से बंगाल में उखड़ी थी तीन दशकों की वाम सत्ता! चुनाव से पहले शहीद दिवस पर भाजपा सक्रिय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण के विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए प्रदर्शनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 2007 में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में हुई गोलीबारी की घटना में तीन भूमि अधिग्रहण विरोधी प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। भाजपा नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'शहीद तर्पण दिवस 7 जनवरी, 2007 के अवसर पर मैं नंदीग्राम भूमि रक्षा आंदोलन के तीन अमर शहीदों को अपनी श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' नंदीग्राम में खेजुरी और सोनाचुरा के बीच भांगा बेरा ब्रिज क्षेत्र के पास स्मारक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस घटना ने राज्य में व्यापक अशांति को जन्म दिया और अंततः पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गई, जिसने वाम मोर्चा सरकार के पतन में योगदान दिया। नंदीग्राम में बुधवार को भाजपा और स्थानीय टीएमसी नेताओं ने भी इस घटना में मारे गए लोगों को याद करने के लिए शहीद दिवस मनाया।

नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण आंदोलन ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ ला दिया। तीन दशक से सत्ता में रही वाम मोर्चा सरकार की नींव हिला दी। वर्ष 2006-07 में वाम सरकार ने नंदीग्राम में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र के लिए भूमि अधिग्रहण की घोषणा की। इस फैसले का ग्रामीणों ने तीखा विरोध किया, क्योंकि उनकी आजीविका कृषि पर निर्भर थी और उन्हें जबरन विस्थापन का डर था। आंदोलन के दौरान 14 मार्च 2007 को पुलिस कार्रवाई में कई ग्रामीणों की मौत हुई। इस घटना ने पूरे राज्य में आक्रोश फैला दिया और वाम सरकार की किसान हितैषी छवि को गहरा धक्का लगा।

भारत की आत्मनिर्भरता हुई और मजबूत

पीएम मोदी बोले- भारत को मिली मजबूती; स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप का जलावतरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप अब चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के शुरू होने से भारत की आत्मनिर्भरता और मजबूत हुई है। इसके साथ ही यह दिखाता है कि भारत पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को जहाज समुद्र प्रताप का शुभारंभ किया। यह भारत का पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत है। यह अब तक तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज है।

भारत को आत्मनिर्भर बनने में मजबूती देगा

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'भारतीय तटरक्षक पोत

(आईसीजीएस) समुद्र प्रताप का कमीशन होना कई कारणों से उल्लेखनीय है। जिनमें यह तथ्य भी शामिल है कि यह आत्मनिर्भरता के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करता है। हमारे सुरक्षा तंत्र को बढ़ावा देता है और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

इस पोत की प्राथमिक भूमिका समुद्र में प्रदूषण से निपटने की है

यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव अभियानों और भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। इस पोत की प्राथमिक भूमिका समुद्र में प्रदूषण से निपटने की है, जिसे अत्याधुनिक प्रणालियों द्वारा समर्थित किया जाता है, जिनमें साइड-स्वीपिंग आर्म्स, फ्लोटिंग बूम, उच्च क्षमता वाले स्किमर, पोर्टेबल बजरा और एक प्रदूषण नियंत्रण प्रयोगशाला शामिल हैं। इस जहाज में एक बाहरी अग्निशमन प्रणाली भी लगी हुई है और स्वचालन और मिशन दक्षता को बढ़ाने के लिए इसमें डायनेमिक पोजिशनिंग, एकीकृत ब्रिज सिस्टम, एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली और स्वचालित पावर प्रबंधन प्रणाली जैसी उन्नत प्रणालियां एकीकृत की गई हैं।

तमिलनाडु चुनाव से पहले एनडीए-पीएमके का गठजोड़; एआईएडीएमके बोली- टिकट दिलाने वाले बिचौलियों से सावधान..

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने बुधवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि पीएमके ने एआईएडीएमके के साथ हाथ मिलाया है और एनडीए गठबंधन में शामिल हो गई है।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का नेतृत्व करती है। अंबुमणि रामदास ने गठबंधन में औपचारिक रूप से शामिल होने के लिए एआईएडीएमके के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी से उनके आवास पर मुलाकात की।

एनडीए गठबंधन में शामिल हो सकती हैं और भी पार्टियां

इस मुलाकात के बाद पलानीस्वामी ने कहा, 'पट्टाली मक्कल काची हमारे गठबंधन में शामिल हो गई है। जल्द ही और भी पार्टियां गठबंधन में शामिल होंगी।' उन्होंने आगे कहा कि पीएमके के लिए सीटों का आवंटन तय हो चुका है और इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी।

वहीं, पीएमके नेता रामदास ने कहा कि वह जनविरोधी सत्तारूढ़ डीएमके को हराने के लिए एनडीए में शामिल हुए हैं। पलानीस्वामी ने विश्वास जताया कि एनडीए को मजबूत जनादेश मिलेगा और एआईएडीएमके अकेले के बहुमत से सरकार बनाएगी। पीएमके पार्टी अपने संस्थापक डॉ. एस. रामदास और उनके बेटे डॉ. अंबुमणि के बीच सत्ता संघर्ष के बाद विभाजित हो गई है। यह पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए का हिस्सा थी। इस साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा की 234 सीटों के लिए चुनाव होने की संभावना है।

डीएमके से नाराज है तमिलनाडु की जनता :अंबुमणि रामदास

एनडीए में शामिल होने के बाद पीएमके अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने कहा, 'तमिलनाडु की जनता सत्ताधारी पार्टी डीएमके से बहुत नाराज है। महिलाओं की सुरक्षा, किसानों में असंतोष है, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे भी हैं। डीएमके ने पिछले तीन चुनाव इसलिए जीते क्योंकि विपक्ष बिखरा हुआ था। अभी एनडीए में और पार्टियां शामिल होंगी।'

'सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पंडित नेहरू को थी'; इतिहास के दस्तावेज साझा कर भाजपा ने किया दावा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रुख की कड़ी आलोचना की है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि महमूद गजनवी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे ऐतिहासिक आक्रांताओं ने तो मंदिर को केवल भौतिक रूप से लूटा था, लेकिन नेहरू के मन में भगवान सोमनाथ के प्रति सबसे ज्यादा घृणा थी।

पाकिस्तानी पीएम को लिखे पत्र पर मचा बवाल

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए त्रिवेदी ने नेहरू द्वारा कथित तौर पर पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे गए एक पत्र को साझा किया। त्रिवेदी ने दावा किया कि, इस पत्र में नेहरू ने खान को 'प्रिय नवाबजादा' कहकर संबोधित किया और सोमनाथ के दरवाजों की कथा को पूरी तरह झूठा बताया।

हिंदू ऐतिहासिक प्रतीकों को कम आंकाः भाजपा

भाजपा नेता का तर्क है कि यह पत्र एक प्रकार का आत्मसमर्पण था, जिससे यह संकेत मिलता है कि नेहरू ने भारत की सभ्यतागत विरासत की रक्षा करने के बजाय मंदिर के पुनर्निर्माण को कम महत्व देने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के दुष्प्रचार का सामना करने के स्थान पर नेहरू ने पड़ोसी देश को खुश करने के लिए हिंदू ऐतिहासिक प्रतीकों को कम आंका।

चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत सुनवाई के लिए अमर्त्य सेन को भेजा नोटिस, टीएमसी ने बताया 'शर्मनाक तमाशा'

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के सिलसिले में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन को नोटिस जारी किया है। आयोग ने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री से 16 जनवरी को उनके आवास पर सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

इस घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे 'शर्मनाक तमाशा' करार दिया। अधिकारियों के मुताबिक, अमर्त्य सेन (92 वर्षीय) इस समय विदेश में हैं, इसलिए यह नोटिस शांति निकेतन के बोलपुर स्थित उनके पैतृक घर पर उनके परिवार के एक सदस्य को सौंपा गया।

'अमर्त्य सेन और उनकी मां की उम्र में अंतर 15 साल से कम'

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि प्रोफेसर सेन को केवल एक ही नोटिस दिया गया है। उनके की ओर से जो गणना फॉर्म जमा किए गए, उनमें कुछ तार्किक विसंगतियां पाई गई थीं। इसी वजह उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया है। उनकी उम्र 85 वर्ष से अधिक है। इसलिए चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार संबंधित बीएलओ उनके घर जाकर उनकी सुनवाई करेगा। अमर्त्य सेन के एक चचेरे भाई ने नोटिस मिलने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में सेन को जानकारी देंगे।

अधिकारी ने बताया कि यह नोटिस एसआईआर प्रक्रिया के दौरान तथ्यात्मक विसंगति के आधार पर जारी किया गया। गणना फॉर्म में दर्ज जानकारी के अनुसार सेन और उनकी मां की उम्र में अंतर 15 साल से कम पाया गया।

प्रतिष्ठित हस्तियों को नोटिस भेजा बंगाल का अपमानः अभिषेक बनर्जी

इस घटनाक्रम से पहले ही राजनीतिक विवाद खड़ा हो चुका है। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि अमर्त्य सेन जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को एसआईआर नोटिस भेजना 'बंगाल के लोगों का अपमान' है। भाजपा और चुनाव आयोग दोनों ने इस दावे खारिज कर दिया था। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग और भाजपा पर हमला जारी रखा और इसे 'उनके बांग्ला-विरोधी एजेंडा, विभाजन और अपमान की राजनीति' का हिस्सा बताया।

सिद्धरमैया के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड! कर्नाटक बीजेपी ने घेरा, सिद्धारमैया को बताया 'सबसे बड़ा कर्जदार मुख्यमंत्री'

बैंगलुरू। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को सिद्धरमैया को 'सबसे अधिक कर्ज लेने वाला मुख्यमंत्री' करार दिया और उन खबरों का हवाला दिया जिनमें कहा गया है कि राज्य सरकार जनवरी से मार्च तक की चौथी तिमाही में 93,000 करोड़ रुपये का कर्ज ले सकती है। सिद्धरमैया द्वारा कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का इतिहास रचे जाने पर विपक्ष ने कर्ज को लेकर उनकी आलोचना की। सिद्धरमैया वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस सरकार पर 'कर्नाटक को पीछे धकेलने' का आरोप लगाते हुए कहा कि सिद्धरमैया को यह समझना चाहिए कि इतिहास केवल कार्यकाल की अवधि को महत्व नहीं देता बल्कि उनके द्वारा छोड़ी गई विरासत के आधार पर उनका मूल्यांकन करता है। उन्होंने कहा, 'सिद्धरमैया सिर्फ सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नहीं बल्कि सबसे अधिक कर्ज लेने वाले मुख्यमंत्री भी हैं।'

अशोक ने 'एक्स' एक पोस्ट में कहा, 'आंकड़ों और विरा सत में अंतर यह है कि सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का खिताब महज एक आंकड़ा है। सबसे अधिक कर्ज लेने वाले

मुख्यमंत्री का खिताब एक विरासत है।' उन्होंने कहा, 'इनमें से एक को भुला दिया जाएगा जबकि दूसरे को कर्नाटक के इतिहास में हमेशा के लिए याद रखा जायेगा।' अशोक ने नवीनतम आंकड़ों को चौंकाने वाला बताते हुए कहा, 'एक ही तिमाही में 93,000 करोड़ रुपये का कर्ज, भारत में चौथी तिमाही में लिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा कर्ज होगा। इसे शासन नहीं कहा जा सकता, यह घबराहट में किए गए वित्तीय प्रबंधन की सटीक परिहै।' भाजपा नेता के अनुसार, यह कर्ज में भारी वृद्धि राजकोषीय ढांचे के पतन के कारण हुई है, जिनमें पिछले ऋणों को चुकाने के लिए उधार लेना, अस्थिर गारंटी योजनाओं को खतरनाक रूप से वित्तपोषित करने के लिए उधार लेना और बुनियादी आर्थिक नियोजन की विफलता के कारण नकदी प्रवाह में भारी गिरावट आना शामिल है। उन्होंने कहा, 'जब किसी सरकार को केवल अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए हर महीने औसतन 31,000 करोड़ रुपये उधार लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है, तो यह मजबूती का संकेत नहीं बल्कि राजकोषीय तनाव का स्पष्ट सूचक है।'

विपक्षी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को यह समझना चाहिए कि इतिहास उनके खोखले कार्यकाल को महत्व नहीं देता। उन्होंने कहा, 'इतिहास उनके द्वारा छोड़ी गई विरासत के रिकॉर्ड का मूल्यांकन करेगा। और आज जो पीछे छूट रहा है वह निर्विवाद हैः कर्ज का पहाड़, अक्षमता के स्पष्ट निशान और कर्नाटक राज्य का गिरवी रखा हुआ भविष्य।' अशोक ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड मिट जाते हैं, विरासत खड़ी रहती हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन का दावा

अमित शाह तमिलनाडु में हिंदुओं की स्थिति को लेकर सरासर झूठ बोल रहे हैं

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। मुख्यमंत्री ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान करती है और उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच तो यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी और ''हम इसे होने नहीं देंगे।''

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने जोर देकर कहा, ''जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।'' अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में एक जनसभा के दौरान द्रमुक पर राज्य में हिंदू धर्म और हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अपमानित करने का आरोप लगाया था। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने हिंदुओं पर हुए 'अत्याचारों' को लेकर स्टालिन सरकार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू पूजा-पाठ के तरीकों का 'अपमान' किया जा रहा है और दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर भूमि पूजा के दौरान राज्य में 'अघोषित कर्फ्यू लगा दिया गया था'। शाह ने कहा, ''उनके (द्रमुक के) वरिष्ठ नेता सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। हिंदू शोभायात्राओं और विसर्जन (हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन) पर रोक लगा दी गई है। मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं कि आपने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करके संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया है।

वन अधिनियम में हुए संशोधनों ने वन प्रबंधन के निजीकरण के लिए रास्ते खोल दिए : कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा किए गए संशोधनों ने वन प्रबंधन के निजीकरण के लिए रास्ते खोल दिए। पार्टी महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एक परिपत्र का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अगस्त 2023 में मोदी सरकार ने संसद के माध्यम से वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में संशोधन किया था। इस कानून

का नाम बदलकर वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 करने के अलावा, इन संशोधनों ने देश में वनों के प्रशासन के लिए कानूनी व्यवस्था में दूरगामी बदलाव किए थे।' उन्होंने कहा, 'उसी समय यह कहा गया था कि संशोधनों ने वन प्रबंधन के निजीकरण का द्वार खोल दिया है।' रमेश के अनुसार, बिल्कुल यही हुआ है जैसा कि 2 जनवरी, 2026 को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी परिपत्र से पता चलता है। उन्होंने कहा, 'यह तो एक शुरूआत है।'

असम चुनावः भाजपा और सहयोगियों के बीच सीटों का समझौता 15 फरवरी तक, मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से की चर्चा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को जानकारी दी कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। इस मुलाकात का उद्देश्य राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए के सहयोगियों के साथ सीटों के तालमेल पर चर्चा करना था। मीडिया से बातचीत में सरमा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 15 फरवरी तक असम गण परिषद (आप) और अन्य सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे सकती है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कहा था कि मौजूदा सहयोगियों के साथ गठबंधन को अंतिम रूप देने का कार्य 15 जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है।

क्या बोले असम के मुख्यमंत्री?

मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारी सीटों का बंटवारा और गठबंधन से जुड़े अन्य विवरण 15 फरवरी तक तय हो जाएंगे। कल रात मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से मिलकर इस पर विचार-विमर्श किया। बैठक के

दौरान बीपीएफ प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी भी मेरे साथ थे।' उन्होंने आगे बताया कि इस बैठक से पहले यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोरो ने भी शाह से मुलाकाल की थी। मुख्यमंत्री मंगलवार को दिल्ली गए थे और बुधवार सुबह वापस लौटे।

सीट बंटवारे पर हो रही सकारात्मक बात

अगप के साथ चर्चा पर सरमा ने कहा, 'कल मैंने अगप अध्यक्ष अतुल बोरा के साथ लंबी चर्चाएं की। हमारी बातचीत जारी है। हम आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण तरीके से सीटों के बंटवारे पर निर्णय लेंगे और इसमें कोई समस्या नहीं होगी।' हालांकि, उन्होंने समझौतों को अंतिम रूप देने में हो रही एक महीने की देरी का कोई कारण स्पष्ट नहीं किया। सरमा ने यह भी कहा कि हर चुनाव में नए चेहरों को हमेशा लाभ मिलता है और इस बार भी ऐसा ही होगा।

वर्तमान में भाजपा का अगप, यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ गठबंधन है। इसके अलावा, राभा हासोंग जत्था संग्राम समिति और जनशक्ति पार्टी भी असम में एनडीए के घटक हैं।

क्या है मौजूदा समीकरण?

बता दें कि 126 सदस्यों वाली विधानसभा में अभी भाजपा के पास 64 सीटें हैं, जबकि सहयोगी अगप के पास नौ, यूपीपीएल के पास सात और बीपीएफ के पास तीन विधायक हैं। वहीं विपक्ष कांग्रेस के पास 26 सीटें, एआईयूडीएफ के पास 15, सीपीआई(एम) के पास एक और एक निर्दलीय विधायक है। अगस्त में राजग प्रमुख अतुल बोरा समेत कई एनडीए नेताओं ने 100 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था, जिसके बाद सरमा ने दावा किया था कि सत्ताधारी गठबंधन के पास 103 सीटों पर जीत की प्रबल संभावना है।

तिलकवाड़ा स्टेशन का अपग्रेडेशन, यात्रियों के लिए नई सौगात

सेक्शन कैपेसिटी में होगी वृद्धि, अतिरिक्त ट्रेनों का परिचालन संभव

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वडोदरा मंडल के डभोई और एकतानगर स्टेशनों के बीच स्थित तिलकवाड़ा स्टेशन को D-क्लास (नॉन-ब्लॉक) स्टेशन से B-क्लास (ब्लॉक) स्टेशन में अपग्रेड करने का कार्य प्रगति पर है। अब यह स्टेशन साधारण स्टॉपिंग पॉइंट से उन्नत सिग्नलिंग, एक बेहतर ऑपरेशनल क्षमता और अधिक यात्री सुविधाओं वाला स्टेशन बन जायेगा, जो यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात होगी।

वडोदरा मंडल में स्थित एकतानगर भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेचू ऑफ़ यूनिटी के लिए प्रसिद्ध है। वर्तमान में वडोदरा और एकतानगर के? बीच ट्रेन का परिचालन किया जाता है। तिलकवाड़ा को B-क्लास स्टेशन में बदलने से एकतानगर और चांदोद के बीच मौजूदा सिंगल ब्लॉक सेक्शन दो ब्लॉक सेक्शन में बंट जाएगा, यानी एकतानगर तिलकवाड़ा और तिलकवाड़ा -चांदोद। एक साधारण हॉल्ट से एक फंक्शनल ब्लॉक स्टेशन में बदलने से चांदोद और एकतानगर के बीच ट्रेन परिचालन

क्षमता बढ़ेगी, जिससे संरक्षा में वृद्धि होगी। साथ ही सेक्शन कैपेसिटी बढ़ने से इस सेक्शन में और अधिक ट्रेनों को परिचालित करने का विकल्प मिलेगा। भविष्य में, ट्रेनों की संख्या बढ़ने पर, तिलकवाड़ा एक फायदेमंद ऑपरेशनल पॉइंट के तौर पर काम करेगा, जिससे ट्रेन रेगुलेशन और ऑपरेशनल फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होगी।

एकतानगर से शुरू होने वाली ट्रेनों का लाईन क्लियर के लिए रुकने का समय कम हो जाएगा, जिससे ऑपरेशन आसान होगा और समय की पाबंदी बेहतर होगी।

तिलकवाड़ा स्टेशन पर एक लूप लाइन का भी निर्माण किया गया है, जिससे लाइन क्षमता बढ़ेगी। ट्रेन को लूप लाइन या साइडिंग में लेकर एक अतिरिक्त ट्रेन को क्रॉसओवर देकर परिचालित कर सकेंगे। क्लास (ब्लॉक स्टेशन) बनने पर तिलकवाड़ा में होम/स्टार्टर सिग्नल, पॉइंट्स और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम की स्थापना होगी। पॉइंट्स और सिग्नल के सुरक्षित संचालन के लिए तिलकवाड़ा स्टेशन पर इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना की जा रही है। ऑपरेशन मैनेज करने के लिए रेलवे स्टाफ की तैनाती होगी।

क्लास स्टेशन बनने से तिलकवाड़ा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में भी इज़ाफा होगा, यात्रिओं को स्टेशन पर पैदल ऊपरी पुल, वेटिंग रूम और टिकट काउंटर जैसी सुविधाएँ मिलेंगी, जिससे यात्रिओं का सफ़र और सुखकर होगा। स्टेशन पर एक हाई-लेवल प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने के दौरान ज़्यादा सुविधा और सुरक्षा मिलेगी।

अपग्रेड होने से पहले डभोई और एकतानगर के बीच तिलकवाड़ा एक D-क्लास (फ्लैग स्टेशन) स्टेशन था, जहाँ सिर्फ एक प्लेटफॉर्म और कुछ बुनियादी सुविधाएं थी। फ्लैग स्टेशन होने के कारण कोई सिग्नल नहीं था और ऑपरेशन के लिए कोई समर्पित रेलवे स्टाफ नहीं था।

बहु-सदस्यीय प्रणाली में मतदान की जानकारी देने हेतु पर्चों का वितरण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

इस वर्ष नवी मुंबई महानगरपालिका का सार्वत्रिक चुनाव पहली बार बहु-सदस्यीय प्रणाली के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। महानगरपालिका क्षेत्र के कुल 28 वार्डों में से वार्ड क्रमांक 1 से 27 में 'ए', 'बी', 'सी' और 'डी'–इन चार सीटों के लिए मतदान किया जाएगा। वहीं वार्ड क्रमांक 28 में 'ए', 'बी' और 'सी'–इन तीन सदस्यों के लिए मतदान होगा। इसके लिए मतदान मशीन पर प्रत्येक सीट के लिए अलग-अलग रंग का मतपत्र उपलब्ध रहेगा और मतदाताओं को प्रत्येक सीट के लिए अपने पसंदीदा उम्मीदवार को एक-एक मत देना होगा।

इस बहु-सदस्यीय पैनल प्रणाली में मतदान की प्रक्रिया को मतदाताओं तक सरलता से पहुँचाने के उद्देश्य से, वर्तमान सोशल-मीडिया के दौर में इस विषय पर तैयार किए गए वीडियो फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और व्हाट्सऐप जैसे विभिन्न माध्यमों पर प्रसारित किए जा रहे हैं। नागरिकों से यह प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है कि इन वीडियो के माध्यम से मतदान प्रक्रिया को समझना आसान हो रहा है।

इसके अतिरिक्त, पैनल प्रणाली के अंतर्गत मतदान की प्रक्रिया को शहर के व्यस्त क्षेत्रों में बैनरों तथा डिजिटल होर्डिंग्स के माध्यम से भी सरल रूप में प्रदर्शित किया गया है।

इसी प्रकार, इस पद्धति की जानकारी देने वाले पर्चे तैयार किए गए हैं और उन्हें शहर के सभी भागों में वितरित किया जा रहा है।

चूँकि नवी मुंबई के नागरिक पहली बार बहु-सदस्यीय पैनल प्रणाली के माध्यम से होने वाले महानगरपालिका चुनावों में मतदान करेंगे, इसलिए नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में विभिन्न माध्यमों के जरिए यह जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है कि बहु-सदस्यीय प्रणाली में मतदान कैसे किया जाए। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से 'स्वीप अभियान' के अंतर्गत विविध गतिविधियों के माध्यम से मताधिकार के प्रयोग का संदेश व्यापक रूप से जनता तक पहुँचाया जा रहा है।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है, जो 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपरोक्त कार्य के संबंध में 09/10 जनवरी, 2026 की रात को कांदिवली स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर पॉइंट्स के इंसर्शन एवं डिस्मैंटलिंग के लिए 23:15 बजे से 03:15 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 10/11 जनवरी, 2026 की रात को कांदिवली और मालाड स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर पॉइंट 101 के इंसर्शन के लिए मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर 01:00 बजे से 06:30 बजे तक तथा अप स्लो लाइन पर 01:00 बजे से 04:00 बजे तक रहेगा।

उपर्युक्त ब्लॉकों, पांचवीं लाइन के निलंबन तथा गति प्रतिबंध लगाए जाने के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी, जबकि कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें भी प्रभावित होंगी।

शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें:

10 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19426 नंदुरबार-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

10 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें:

11 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

11 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19425 बोरीवली-नंदुरबार एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

री-शेड्यूल होने वाली ट्रेनें:

1. 10 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12902 अहमदाबाद-दादर एक्सप्रेस अपने मार्ग में 20 मिनट री-शेड्यूल होगी।
2. 10 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19218 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 45 मिनट री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन वेरावल से 12:35 बजे प्रस्थान करेगी।
3. 11 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद 30 मिनट री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन 06:10 बजे प्रस्थान करेगी।
4. 11 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 1 घंटा री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन 06:10 बजे प्रस्थान करेगी।

ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली उपनगरीय ट्रेनों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-घ एवं घ्घ में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

निकाय चुनाव प्रचार के दौरान एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील को भीड़ ने घेरा, कार पर किया हमला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में नगर निगम चुनाव के अंतिम चरण के प्रचार में जमकर हंगामा देखने को मिला। यहां ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अंदर गुटबाजी के चलते जमकर मारपीट की घटना सामने आई। दो गुटों में हुई झड़प के दौरान पार्टी नेता और पूर्व सांसद इम्तियाज जलील की कार पर भीड़ ने हमला कर गया, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पुलिस ने भीड़ पर किया लाठीचार्ज

एक अधिकारी ने बताया कि नगर निगम चुनावों के लिए पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते समय पूर्व एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील की गाड़ी पर कुछ लोगों ने कथित तौर पर हमला करने की कोशिश की। टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी के दो गुटों में जमकर हाथापाई हुई। मौके पर मौजूद पुलिस को स्थिति काबू में करने के लिए भीड़ पर लाठीचार्ज तक करना पड़ा।

विरोधी उम्मीदवार के गुट ने किया हमला

घटना बुधवार को दोपहर के समय जिंसी इलाके में हुई। बैजीपुरा इलाके में एक विरोधी उम्मीदवार का समर्थन

करने वाले एक समूह ने इम्तियाज जलील पर हमला कर दिया। हमला उस वक्त हुआ जब जलील पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ प्रचार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि जलील अपनी कार में बैठ गए, लेकिन गुस्साए लोगों के गुट ने कथित तौर पर गाड़ी पर मुक्के मारने शुरू कर दिए।

'कथित हमलावरों के संबंध भाजपा से', इम्तियाज का आरोप

घटनाक्रम की जानकारी साझा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उचित बल का प्रयोग किया है। भीड़ में 30-35 लोग थे। पुलिस ने मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इलाका अब शांत है।' हमले को लेकर जलील ने दावा किया कि कथित हमलावरों के संबंध भाजपा से हैं। उन्होंने राज्य के मंत्रियों अतुल सावे और संजय शिरसाट पर समूह को उकसाने का आरोप लगाया, जिसे सावे ने खारिज कर दिया है।

इम्तियाज जलील ने भीड़ के हमले को लेकर कहा कि मैंने प्रचार के लिए वैध अनुमति ली है। अगर पुलिस स्थिति को संभाल नहीं सकती है, तो वे हमें बता सकते हैं। हम देखेंगे कि हम क्या कर सकते हैं। हम लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ना चाहते हैं। हम वहां फिर से रैली करेंगे। मुट्ठी भर गुंडे हमें रोक नहीं सकते।

इधर, मंत्री सावे ने पत्रकारों से कहा कि जलील बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलील को यह साबित करना चाहिए कि वहां मौजूद एक भी व्यक्ति हमारा कार्यकर्ता है। समूह के लोग आरोप लगा रहे थे कि टिकट पैसे लेकर बेचे गए हैं। इस घटना से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि हम वहां चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। जलील को उन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करानी चाहिए, जिन्होंने उन पर हमला करने की कोशिश की। बता दें कि छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम सहित 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने हैं और वोटों की गिनती अगले दिन यानी 16 जनवरी को होगी।

कांग्रेस नेता की हत्या पर भड़के सपकाल, कहा- गृह मंत्री के अभाव में बढ़ रहा अपराध, लगाए गंभीर आरोप

दिव्यांश

अमरावती। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बुधवार को राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पूर्णकालिक गृह मंत्री न होने के कारण अपराधों में वृद्धि हुई है। सपकाल ने अकोला में पार्टी के वरिष्ठ नेता हिदायतुल्ला पटेल की हत्या के लिए कानून-व्यवस्था की विफलता को जिम्मेदार ठहराया और दोषियों को कठोरतम दंड देने की मांग की।

प्रेसवार्ता में क्या बोले सपकाल?

एक प्रेसवार्ता में सपकाल ने दिवंगत नेता पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि पूरे महाराष्ट्र में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध रेत खनन और भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले गिरोह स्वतंत्र रूप से सक्रिय हैं। अब आपराधिक गतिविधियां शहरों से निकलकर गांवों तक फैल चुकी हैं।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, राज्य कांग्रेस उपाध्यक्ष 66 वर्षीय हिदायतुल्ला पटेल

पर मंगलवार दोपहर अकोला जिले की अकोट तहसील के मोहला गांव में एक मस्जिद में नमाज पढ़ने के बाद हमला हुआ था। पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति ने उन पर धारदार हथियार से वार किया। उन्हें अकोट के एक निजी चिकित्सालय के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई।

सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

सपकाल ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल ने लोकतंत्र को समाप्त कर दिया है। उन्होंने प्रशासन और राज्य निर्वाचन आयोग पर सत्ता पक्ष के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि नगर पालिका और नगर पंचायत चुनावों में खुलेआम धन-बल का प्रयोग हो रहा है। फर्जी मतदान और बड़े पैमाने पर नकदी बांटी जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी उम्मीदवारों को धमकाया जा रहा है और नामांकन वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इससे निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बन रही है। सपकाल ने मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों पर इस धमकी की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका पर भी उठाया सवाल

सपकाल ने राज्य विधानसभा अध्यक्ष पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ने अपने समर्थित उम्मीदवारों को निर्विरोध जिताने के लिए चुनाव अधिकारियों पर दबाव डाला। सपकाल ने कहा अध्यक्ष संविधान और सदन के संरक्षक होते हैं, लेकिन इस मामले में उनका व्यवहार अजीब और परेशान करने वाला था।

भाजपा और एआईएमआईएम की मिलीभगत

भाजपा और एआईएमआईएम के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए सपकाल ने कहा कि दोनों दल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एआईएमआईएम को उम्मीदवार उतारने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने एआईएमआईएम को भाजपा की बी टीम करार दिया। बाता दें कि भाजपा ने अकोला जिले की अकोट नगर परिषद में एआईएमआईएम और अन्य दलों के साथ गठबंधन किया है।

रोहा स्टेशन पर दिवा-सावंतवाड़ी एक्सप्रेस के संशोधित समय

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 12.01.2026 से शुरू होने वाली यात्राओं के लिए, ट्रेन संख्या 10105 दिवा-सावंतवाड़ी एक्सप्रेस रोहा स्टेशन पर 8:50 बजे पहुंचेगी और 10106 सावंतवाड़ी-दिवा एक्सप्रेस रोहा स्टेशन पर 17:05 बजे पहुंचेगी। ट्रेनों का ठहराव 5 मिनट का होगा। उक्त विशेष ट्रेन के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया

10105/10106 दिवा-सावंतवाड़ी-दिवा एक्सप्रेस का रोहा स्टेशन पर ठहराव का समय संशोधित किया गया है। विवरण इस प्रकार हैः

www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या ऊपर ऐप डाउनलोड करें। यात्री कृपया परिवर्तनों पर ध्यान दें।

पुणे पोर्श कार दुर्घटनाः आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, महाराष्ट्र सरकार को जारी किया नोट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार से पुणे पोर्श कार दुर्घटना मामले में दो आरोपियों द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर जवाब मांगा, जिसमें मई 2024 में दो लोगों की जान चली गई थी। आदित्य अविनाश सूद (52) और आशीष सतीश मित्तल (37) को पिछले साल 19 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि दुर्घटना में शामिल दो नाबालिगों की जगह उनके खून के सैंपल जांच के लिए इस्तेमाल किए गए थे।

बता दें कि 19 मई, 2024 को पुणे के कल्याणी नगर इलाके में एक पोर्श कार ने दो लोगों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। हादसे के वक्त कार कथित तौर पर शराब के नशे में एक 17 साल का लड़का चला रहा था। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयॉन की बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के जमानत याचिका खारिज करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। पिछले साल 16 दिसंबर को हाईकोर्ट ने इस मामले में सूद और मित्तल सहित आठ आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

कोर्ट ने कर दिया था रिहा

जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने नाबालिग आरोपी को आसान शर्तों पर जमानत दे दी थी, जिससे पूरे देश में अक्रोश देखने को मिला था। जमानत की शर्तों में रोड सेफ्टी पर 300 शब्दों का निबंध

लिखना शामिल था। फैसले की आलोचना होने के बाद पुणे पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए संपर्क किया। इसके बाद बोर्ड ने आदेश में बदलाव किया और नाबालिग को ऑब्जर्वेशन होम भेज दिया। जून में हाईकोर्ट ने नाबालिग को रिहा करने का आदेश दिया था।

आदित्य सूद ने अल्कोहल परिक्षण में धोखा देने की कोशिश की

आदित्य सूद उन 10 लोगों में शामिल थे, जिन्हें किशोर चालक के अल्कोहल परीक्षण को रद्द करने के लिए रक्त के नमूनों की अदला-बदली के सिलसिले में गिराफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, आदित्य सूद के रक्त के नमूने उसके पिता के रक्त के नमूनों से बदल दिए गए थे। इस मामले में पुणे के ससून जनरल अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की भी गिरफ्तारी हुई है।। इन्होंने कथित तौर पर रक्त की अदला-बदली की इस प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

क्या है पूरा मामला?

पुणे शहर में 18-19 मई 2024 की दरम्यानी रात को करीब तीन करोड़ रुपये की पोर्श कार को तेज गति से दौड़ाने के चक्कर में 17 साल के लड़के ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी। गाड़ी की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अपना संतुलन खोकर काफी दूर तक सड़क पर घिसटते चली गई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना के 14 घंटे बाद आरोपी नाबालिग को कोर्ट से कुछ शर्तों के साथ जमानत मिल गई थी। कोर्ट ने उसे 15 दिनों तक ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करने और सड़क दुर्घटनाओं के प्रभाव-समाधान पर 300 शब्दों का निबंध लिखने का निर्देश दिया था। बाद में विवाद बढ़ा तो कोर्ट ने उसकी जमानत रद्द कर दी। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शराब के नशे में था और बेहद तेज गति से कार को चला रहा था।

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' कार्यक्रम में राज्यपाल आचार्य देवव्रत का संबोधन

युवाओं से संवाद - भारतीय संस्कृति की विरासत के संरक्षण के साथ विकसित भारत के संकल्प में योगदान- राज्यपाल आचार्य देवव्रत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और मूल्यवान है। देश की समग्र प्रगति के लिए युवाओं को विचार, कर्म और नवीन सोच के माध्यम से आगे आना चाहिए। भारतीय संस्कृति की विरासत का संरक्षण करते हुए विकसित भारत के निर्माण की संकल्पना में योगदान देने की अपील राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव - विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के अंतर्गत 2025-26 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राज्य से चयनित युवाओं से राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।

यह कार्यक्रम सह्याद्री अतिथिगृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खेल विभाग के प्रधान सचिव संजय खंडारे, राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नरनवरे, राज्यपाल के संयुक्त सचिव एस. राममूर्ति, खेल विभाग के उप सचिव सुनील पंढारे, सहायक संचालक मिलिंद दीक्षित, मुंबई विभाग की उप संचालक (क्रीड़ा) सुवर्णा बारटक्के तथा राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयनित विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में सहभागिता राज्य के युवाओं के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। दिल्ली में आयोजित संवाद कार्यक्रम के लिए चयनित युवाओं को राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्रशंसा के साथ बधाई दी।

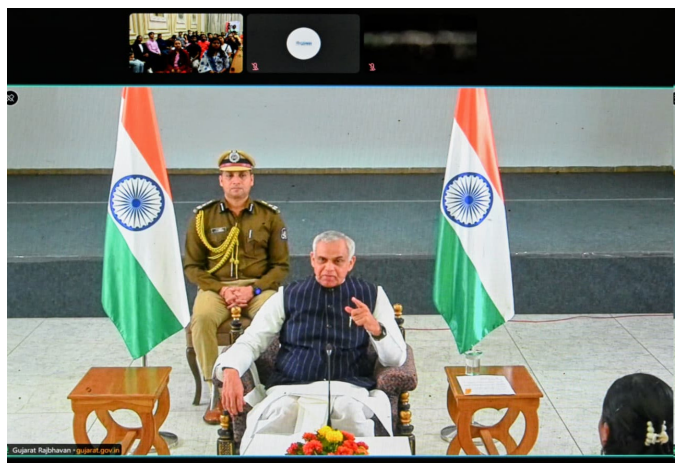

युवाओं से संवाद करते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है। प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव को नया स्वरूप दिया गया है तथा देश के सभी राज्यों के विद्यार्थियों के लिए एक प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा आयोजित की गई। इसके माध्यम से चयनित तीन हजार प्रतिभाशाली युवाओं को इस महोत्सव के जरिए प्रधानमंत्री से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिलेगा। कड़ी मेहनत, समर्पण और गुणवत्ता के बल पर चयनित युवाओं की राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के लिए युवाओं का चयन विकसित राष्ट्र निर्माण में उनके परिश्रम की पहचान है।

भारत युवाओं का देश है। युवा देश के विकास को तीव्र गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं-इस विश्वास को व्यक्त करते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि भारत का विकास केवल आर्थिक या भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, सभ्यता, परंपरा और नैतिक मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। इन मूल्यों का संरक्षण उतना ही आवश्यक है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विचारधारा भारत की पहचान है और संतों तथा महापुरुषों के माध्यम से भारत ने विश्व को मानवता का संदेश दिया है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि देश सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। स्टार्टअप्स और आत्मनिर्भर भारत अभियान के कारण भारत वैश्विक स्तर पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है। विकास के लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुँच रहे हैं। युवाओं में देश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त बनाने की क्षमता है-यह बताते हुए उन्होंने कहा कि असफलता से हतोत्साहित हुए बिना परिश्रम, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

संवाद कार्यक्रम के दौरान पूछे गए प्रश्नों पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी किया। कार्यक्रम के अंत में चयनित युवाओं को गणमान्य अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से किट वितरित की गई।

वर्ष 2025-26 का राष्ट्रीय युवा महोत्सव 9 जनवरी 2026 से दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव - विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के अंतर्गत ऑनलाइन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं-जिनमें प्रथम चरण विकसित भारत क्विज, द्वितीय चरण निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा तृतीय चरण विकसित भारत पीपीटी चैलेंज शामिल हैं। इस प्रतियोगिता से राज्य के 45 युवाओं का चयन किया गया है। साथ ही सांस्कृतिक विभाग के अंतर्गत जिला, विभागीय एवं राज्य स्तरीय युवा महोत्सव से 28 कलाकारों का चयन किया गया है तथा डिज़ाइन फॉर इंडिया और हैक फॉर सोशल कॉज़ प्रतियोगिताओं से 5 प्रतिभागी चयनित हुए हैं। राज्य से चयनित युवाओं और उनके साथ गए अधिकारियों सहित कुल 85 सदस्यों का दल आज मुंबई से दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना हुआ।

महाराष्ट्र सदन में विश्व पाक-संस्कृति का संगम

विभिन्न देशों के 30 वरिष्ठ शेफों ने राज्य की आतिथ्य परंपरा की सराहना की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विश्व के विभिन्न देशों से आए 30 प्रसिद्ध शेफों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को महाराष्ट्र सदन को सद्भावना भेंट दी। अंतरराष्ट्रीय अतिथि महाराष्ट्र की भव्यता और यहाँ की आतिथ्य परंपरा से अभिभूत हुए। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत महाराष्ट्र सदन की आवासी आयुक्त एवं सचिव आर. विमला ने किया। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में उन्होंने सभी विदेशी अतिथियों को राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराया।

इस भेंट के दौरान ऑस्ट्रेलिया, यूक्रेन, मैसेडोनिया, मलेशिया, मालदीव, दक्षिण अफ्रीका, सर्बिया, फिलीपींस, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, सिंगापुर, वियतनाम, फ्रांस, दुबई, केन्या, मॉरीशस, इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों से आए 30 पाक-कला विशेषज्ञों ने महाराष्ट्र सदन की वास्तुकला का अवलोकन किया। आवासी आयुक्त आर. विमला ने इन प्रतिनिधियों को महाराष्ट्र की विविधता तथा विश्वविख्यात 'महाराष्ट्रीय भोजन संस्कृति' के महत्व की जानकारी दी। सभी अतिथियों को आवासी आयुक्त द्वारा 'पारंपरिक दीपक' भेंट कर सम्मानित किया गया। भारतीय संस्कृति में प्रकाश के प्रतीक माने जाने वाले इन दीपकों को स्वीकार करते समय अतिथियों ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की।

इस दौरान विदेशी अतिथियों ने महाराष्ट्र के पारंपरिक मराठी व्यंजनों-श्रीखंड, पुरणपोली, झुणका-भाकरी और कढ़ी-मसाला भात-का स्वाद लिया। यह भोजन विश्वस्तरीय शेफों पर विशेष प्रभाव छोड़ गया। साथ ही अतिथियों के मनोरंजन हेतु हिंदी गीतों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी गणमान्य अतिथियों ने भारतीय संगीत की धुनों पर नृत्य कर आनंद लिया।

अपने संबोधन में आवासी आयुक्त आर. विमला ने कहा कि विश्व के विभिन्न देशों से आए रचनात्मक और प्रतिभाशाली शेफों की मेजबानी करना महाराष्ट्र सरकार के लिए अत्यंत गर्व की बात है। इस प्रकार की यात्राएँ न केवल भोजन संस्कृति को समृद्ध करती हैं, बल्कि देशों के बीच आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाती हैं।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने महाराष्ट्र सदन की शिष्टाचार व्यवस्था, स्वच्छता और आत्मीय आतिथ्य के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में सहायक आवासी आयुक्त नितिन शेंडे, सहायक आवासी आयुक्त स्मिता शेलार, महाराष्ट्र परिचय केंद्र की जनसंपर्क अधिकारी मनीषा पिंगले तथा सदन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस हो या एआईएमआईएम, गठबंधन मंजूर नहीं फडणवीस ने अपने ही नेताओं को दे दी चेतावनी

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (7 जनवरी) को कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार करते हुए इसे 'अस्वीकार्य' बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिए गए फैसले को सुधारा जाएगा। यह स्पष्टीकरण अंबरनाथ नगर परिषद में हुए एक चौंकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आया है, जहां भाजपा और कांग्रेस ने कथित तौर पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सत्ता में आने से रोकने के लिए हाथ मिला लिया था। इस कदम से राज्य में राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है।

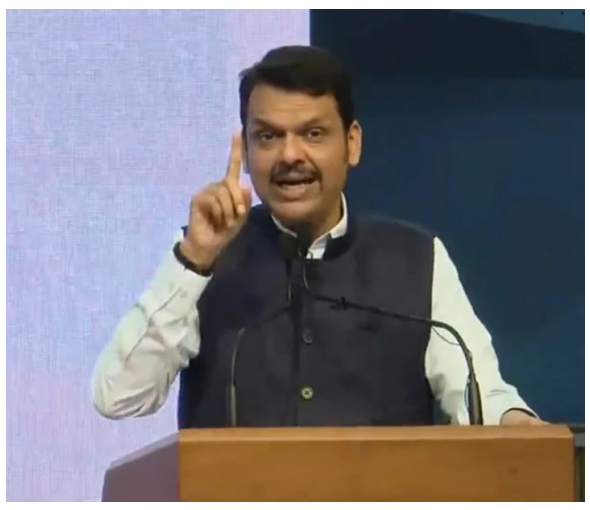

फडणवीस ने कहा कांग्रेस के साथ गठबंधन स्वीकार्य नहीं है। अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिया गया निर्णय बदला जाएगा; कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ठाणे जिले में मुंबई से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित अंबरनाथ में भाजपा के 'कांग्रेस-मुक्त भारत' के लंबे समय से चले आ रहे अभियान के बावजूद अप्रत्याशित गठबंधन देखने को मिला। इस गठबंधन का उद्देश्य शिवसेना के शिंदे गुट को सत्ता से बाहर रखना था। भाजपा-कांग्रेस के इस गठबंधन ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में काफी बहस छेड़ दी है, जिससे स्थानीय स्तर की चुनावी राजनीति की जटिलताएं उजागर होती हैं।

इस गठबंधन को 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना के शिंदे गुट में काफी असंतोष फैल गया है। भाजपा-कांग्रेस गठबंधन के बाद शिंदे गुट बेहद उग्र है। शिवसेना के शिंदे गुट ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इस गठबंधन को 'अपवित्र गठबंधन' करार दिया है। शिवसेना विधायक बालाजी किनिकर ने कांग्रेस-मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा पर शिवसेना पर हमला करने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाया है।

'हिंद दी चादर' : श्री गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष के अवसर पर नांदेड़ में होने वाला भव्य आयोजन सफल बनाया जाए- मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी

नांदेड़। 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष के अवसर पर नांदेड़ में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम के लिए व्यापक और सूक्ष्म स्तर पर नियोजन किया जाए। इस अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे, इसलिए उनकी सुरक्षा, परिवहन, चिकित्सा सेवाओं तथा मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विस्तृत योजना बनाई जाए- ऐसे निर्देश मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी ने दिए। नांदेड़ में 24 और 25 जनवरी को आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। डॉ. परदेशी इस बैठक में बोल रहे थे।

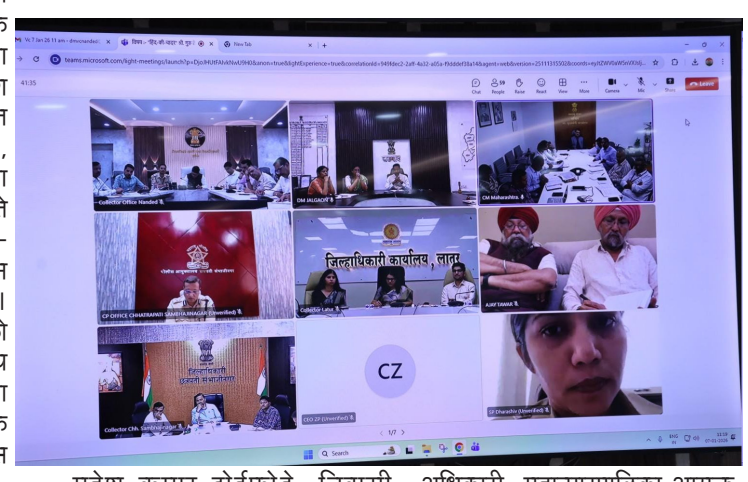

बैठक में अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव रुचेश जयवंशी, राज्य स्तरीय समिति के समन्वयक रमेश्वर नाईक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छत्रपति संभाजीनगर विभाग के आयुक्त जितेंद्र पापलकर, पुलिस अधीक्षक अबिनाश कुमार, मनपा आयुक्त डॉ. महेश कुमार दोईफोड़े, निवासी उपजिलाधिकारी किरण आंबेकर, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी संदीप मलोडे, मुख्यमंत्री सहायता कक्ष के कार्यकारी अधिकारी एवं शासकीय समन्वयक डॉ. जगदीश सकवाण, गुरुद्वारा बोर्ड के अधीक्षक हरजीतसिंह कड़ेवाले, राज्य समिति के सदस्य, जिलाधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महानगरपालिका आयुक्त, शिक्षा, परिवहन, अल्पसंख्यक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़, जालना, बीड, परभणी, हिंगोली, लातूर, धाराशिव, जळगांव, धुले और नंदुरबार जिलों के जिला सूचना अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. श्रीकर परदेशी ने कहा कि शहीद समागम वर्ष के अवसर पर राज्य, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर से श्री गुरु तेगबहादुर जी में आस्था रखने वाले लाखों श्रद्धालु नांदेड़ आएंगे। इस कार्यक्रम के अवसर पर सिख, सिकलीगर, बंजारा, लबाना, सिंधी, मोह्याल, वाल्मीकि, भगत नामदेव तथा अन्य उपेक्षित समुदाय-इस प्रकार नौ समुदाय एकत्रित होंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मानवता के लिए श्री गुरु तेगबहादुर जी द्वारा किए गए बलिदान, त्याग और शहादत के इतिहास को देश-विदेश तक पहुँचाना है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए 26 विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, परिवहन योजना, आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएँ जैसी मूलभूत व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ भाजपा गठबंधन पर संजय राउत ने कसा तंज, बताया 'दो मुंह वाला केंचुआ'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) नेता सचिन अहीर ने बुधवार को महाराष्ट्र की दो नगर परिषदों में कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करने के लिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सत्ताधारी पार्टी के दोहरे मापदंडों को दिखाता है और साबित करता है कि वह सत्ता हथियाने के लिए कुछ भी कर सकती है। बता दें कि इस गठबंधन के सामने आने के बाद कांग्रेस ने अपने चुने गए नए पार्षदों के खिलाफ कार्रवाई की है।

इन दो जगहों पर किया था गठबंधन

पिछले महीने हुए नगर निकाय चुनावों के बाद सत्ताधारी भाजपा ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' के बैनर तले हाथ मिलाकर चुनाव लड़ा, जिसमें सहयोगी शिवसेना को दरकिनार कर दिया गया। भाजपा ने अकोला जिले की अकोट नगर परिषद में भी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और अन्य पार्टियों के साथ इसी तरह का गठबंधन किया था। शिवसेना (यूबीटी) एमएलसी सचिन अहीर ने दावा किया, यह भाजपा के दोहरे मापदंडों को दिखाता है। उनकी मानसिकता सत्ता हथियाने के लिए कुछ भी करने की है।

राउत ने भाजपा को बताया 'दो मुंह वाला केचुआ'

वहीं संजय राउत ने भाजपा को दो मुंह वाला केचुआ बताया है। राउत ने दावा किया कि भाजपा ने 15 जनवरी को होने वाले मीरा-भायंदर नगर निगम चुनावों में ओवैसी का समर्थन किया है। उन्होंने आगे दावा किया कि अकोट से लेकर अंबरनाथ तक ओवैसी और कांग्रेस को भाजपा का छिपा हुआ समर्थन और कुछ मामलों में खुला समर्थन मिल रहा है। यह महाराष्ट्र में एक नया पैटर्न है।

फडणवीस ने कार्रवाई की दी चेतावनी

इससे पहले फडणवीस ने आज कहा था कि मैं यह बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं कि कांग्रेस या एआईएमआईएम के साथ कोई भी गठबंधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगर किसी स्थानीय नेता ने अपने आप ऐसा कोई फैसला लिया है, तो यह अनुशासन के लिहाज से गलत है और कार्रवाई की जाएगी।

60 सदस्यीय अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा ने चुनाव के बाद कांग्रेस और एनसीपी के साथ समझौता किया था, जिससे वह 31 सीटें जीतने में सफल रही थी, जबकि शिवसेना 27 सदस्यों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। ऐसे ही अकोट में भाजपा ने एआईएमआईएम के साथ 'अकोट विकास मंच' बनाया, इसके अलावा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), शिंदे की शिवसेना, अजीत पवार की एनसीपी, शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी और बच्चू कडू की प्रहार जनशक्ति पार्टी से समर्थन मिला। गठबंधन की आलोचना होने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि ऐसे गठबंधन मंजूर नहीं हैं और उन्हें खत्म किया जाएगा।

अंबरनाथ में भाजपा से हाथ मिलाना पड़ा महंगा कांग्रेस ने की बड़ी कार्रवाई, 12 नेता पार्टी से निलंबित

मुम्बई **(एजेंसी)**। बुधवार को कांग्रेस ने अंबरनाथ में अपने स्थानीय नेतृत्व को निलंबित कर दिया। पार्टी के पार्षदों ने भाजपा के साथ मिलकर नगर परिषद का नेतृत्व गठित कर लिया था। इससे महाराष्ट्र में विभिन्न दलों के नागरिक गठबंधनों को लेकर चल रहे व्यापक राजनीतिक विवाद के बीच विपक्षी पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के उपाध्यक्ष गणेश पाटिल ने अंबरनाथ कांग्रेस ब्लॉक के अध्यक्ष प्रदीप पाटिल को पत्र लिखकर सूचित किया है कि राज्य नेतृत्व की जानकारी या अनुमोदन के बिना भाजपा के साथ गठबंधन करने के कारण उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया है।

पत्र में कहा गया है कि यह अच्छी बात नहीं है, इसलिए राज्य अध्यक्ष हर्षवर्धन के निर्देशानुसार आपको पार्टी से निलंबित किया जा रहा है। पत्र में गणेश पाटिल ने कहा कि कांग्रेस ने अपने चिन्ह पर नगर निगम चुनाव लड़ा और अंबरनाथ नगर परिषद में 12 सीटें जीतीं, लेकिन भाजपा के साथ गठबंधन करने का फैसला मीडिया रिपोर्टों के जरिए ही सामने आया। इस कदम को 'अस्वीकार्य' बताते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के निर्देश पर की गई थी। पत्र में कहा गया कि हमने कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा और 12 सीटें जीतीं। हालांकि, राज्य नेतृत्व या राज्य कार्यालय को सूचित किए बिना, आपने भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया है। यह ठीक नहीं है। राज्य अध्यक्ष के निर्देशानुसार, आपको पार्टी से निलंबित किया जा रहा है। यह अनुशासनात्मक कार्रवाई ठाणे जिले के अंबरनाथ और अकोला जिले के अकोट, दो नगर परिषदों में भाजपा द्वारा प्रतिद्वंद्वी दलों के साथ चुनावोत्तर गठबंधन को लेकर उठे विवाद के बीच आई है। अंबरनाथ में, भाजपा ने कांग्रेस और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' के बैनर तले नगर निकाय का नेतृत्व संभाला, और सहयोगी शिवसेना को दरकिनार कर दिया, जबकि शिवसेना सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

पॉक्सो के आरोपी को ठाणे की अदालत से मिली राहत, कहा- मामले में पर्याप्त सबूत नहीं

ठाणे। ठाणे की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की का पीछा करने और यौन उत्पीड़न करने के आरोपी व्यक्ति को बरी कर दिया। अदालत ने पाया कि उसके कृत्यों में यौन इरादा नजर नहीं आया, जो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत आवश्यक एक प्रमुख तत्व है।

मजदूरी का काम करने वाले मयूरेश कैलाश शेल्के (25) आरोप है कि उसने 2019 में महाराष्ट्र के ठाणे शहर में 15 वर्षीय पीड़िता के घर में प्रवेश किया और उससे अपने प्यार का इजहार किया।

न्यायाधीश रूबी यू मालवणकर ने टिप्पणी की कि पीड़िता के साथ कोई शारीरिक संपर्क नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि आरोपी की ओर से इस्तेमाल किए गए शब्द इस मामले के तथ्यों के हिसाब से किसी प्रकार के 'यौन इरादे' को प्रदर्शित करने वाले 'इरादे' के बराबर नहीं होंगे। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा, 'यौन इरादे में क्या शामिल है और क्या नहीं, यह एक तथ्यात्मक प्रश्न है। इस मामले में आरोपी की ओर से प्रयुक्त शब्दों से ऐसा कोई यौन इरादा प्रतीत नहीं होता है।' 22 दिसंबर, 2025 को पारित हुए आदेश की प्रति मंगलवार को सामने आने के बाद ये जानकारी मिली। पीड़िता की ओर से इस मामले को लेकर 2019 में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई गई थी। इसमें पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसका पड़ोसी शेल्के 1 नवंबर, 2019 को डोम्बिवली के म्हात्रे नगर स्थित एक चॉल में उसके घर में घुस गया, जब वह अकेले पढ़ाई कर रही थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी ने पीड़िता से कहा, 'मुझे दादा कहकर मत पुकारो, मैं तुमसे प्यार करता हूं। आरोप लगाया गया कि वह उसका पीछा कर रहा था और बार-बार फोन कर रहा था। अभियोजन पक्ष ने शेल्के पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354डी (पीछा करना) और 441 (आपराधिक अतिक्रमण) के साथ पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 (यौन उत्पीड़न) और 11 (यौन शोषण) के तहत आरोप लगाए।

हालांकि, बचाव पक्ष के वकील अमरीश एस जाधव ने अभियोजन पक्ष के मामले को चुनौती दी। अदालत ने बताया कि यह घटना कथित तौर पर घनी आबादी वाली चॉल में हुई थी, फिर भी किसी और स्वतंत्र गवाह का कोई अन्य सबूत पेश नहीं किया गया जो इस तरह के कृत्य को देखने के बारे में गवाही दे सकता था।

सम्पादकीय

सड़कों से सत्ता तक अराजकता और टारगेटेड हमले, क्या यही है 'नया बांग्लादेश'? आखिर किस मोड़ पर आ खड़ा हुआ है देश?

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की अराजकता बेलगाम होती देखी जा रही है, उससे साफ है कि बदलाव की मांग के साथ वहां जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब दिशाहीन हो चुका है। अब वहां हो रही लक्षित हिंसा की घटनाएं व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जिन दो लोगों की हत्या कर दी गई, उनकी सामुदायिक पहचान हिंदू थी। सोमवार रात को वहां के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के चालीस वर्षीय मालिक की हत्या कर दी। इस घटना से कुछ घंटे पहले ही जेस्सोर जिले में एक अन्य व्यापारी की सिर में गोली मार कर जान ले ली गई, जो एक अखबार के कार्यवाहक संपादक भी थे। इसके अलावा, एक विधवा से सामूहिक बलात्कार, उसका निर्मम उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बना कर जारी कर देने की भी खबर आई। इससे पहले भी वहां हिंदू पहचान को निशाना बना कर हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

साफ है कि बांग्लादेश में जारी हिंसा और अफरा-तफरी अब किसी खास एजंडे के तहत हो रही लगती है। वरना क्या कारण है कि एक ही प्रकृति की घटनाएं लगातार सामने आने और इसी वजह से नई जटिलताएं खड़ी होने के बावजूद वहां की अंतरिम सरकार इसे रोकने को लेकर कुछ भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। यह बेवजह नहीं है कि लगातार और सरेआम हो रही हत्या की घटनाओं से स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के आम लोगों और व्यापारियों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

अशांति और हिंसा की घटनाओं में तेजी की तात्कालिक वजह जुलाई, 2024 के विद्रोह के एक प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो सकती है, जो भारत का कट्टर आलोचक भी था। सवाल है कि अगर हादी का मकसद देश को बदलना था, तो क्या उसका रास्ता यह होगा कि वहां के अल्पसंख्यक तबकों और खासतौर पर चुन कर हिंदू पहचान वाले निर्दोष लोगों की हत्या की जाए? फिर अगर अराजकता का यह सिलसिला जारी रहता है और वहां की सरकार तथा कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजंसियां ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाती हैं, तो इसके क्या मायने निकाले जाएंगे?

बांग्लादेश में तत्कालीन शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह की घोषित वजहें चाहे जो रही हों, लेकिन आज वहां भीड़तंत्र जिस तरह हावी होता दिख रहा है, वह खुद बांग्लादेश के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। धार्मिक पहचान को आधार बना कर हत्या या बलात्कार की घटनाओं के दौरान स्थानीय लोग जिस तरह अराजक होते या जैसी प्रतिक्रियाएं देते दिखते हैं, वह कुछ समूहों के दिशाहीन और संवेदनहीन हो जाने का संकेत तो है ही, जघन्य अपराधों के बेलगाम होते जाने को नहीं रोक पाना दरअसल शासन के नाकाम हो जाने का भी सबूत है।

अगर अब भी वहां शांति और लोकतंत्र की बहाली के लिए ठोस कवायद नहीं हुई, अल्पसंख्यक समुदायों के बीच फैली असुरक्षा की भावना बनी रही, तो इसका खमियाजा समूचे देश को उठाना पड़ सकता है। सही है कि लक्षित तौर पर हिंसा करने वालों के बरक्स वहां अब भी वैसे लोग हैं, जो अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने पर चिंता जाहिर करते हैं। मगर शेख हसीना को सत्ता से हटाने के कई महीने के बाद भी अगर वहां अराजकता फैलती दिख रही है, तो विद्रोह की अगुवाई करने वालों से लेकर फिलहाल सत्ता संभालने वाले समूह भविष्य में किस तरह का बांग्लादेश बनाने की उम्मीद दे रहे हैं?

जहरीली हवा से पिघलते पहाड़ों तक, भारत की सांस और भविष्य दोनों खतरे में; झकझोर रहे हैं 'लैंसेट' और 'इमोनीड्स' के ये सर्वेक्षण

वैसे तो कई देशों में प्रदूषण संकट गहरा गया है, लेकिन भारत में इसकी चुनौतियां बेहद गंभीर रूप ले चुकी हैं। पिछले दिनों पर्यावरण और प्रदूषण पर 'लैंसेट' का एक सर्वेक्षण आया। इसके बाद मानसिक रोगियों की देखभाल करने वाली एक संस्था 'इमोनीड्स' का भी एक सर्वेक्षण जारी हुआ। इन दोनों ही सर्वेक्षणों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। विशेष रूप से भारत के लिए यह चिंता की बात है, जहां विकास के समांतर न तो पर्यावरण को बचाने की फिक्र है और न प्रदूषण को नियंत्रित करने के गंभीर प्रयास दिखते हैं। ये सर्वेक्षण बता रहे हैं कि वायु गुणवत्ता सूचकांक का लगातार 400 से ऊपर रहना, न केवल लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को भी जोखिम में डाल दिया है। अब बच्चे भी खतरे में हैं। वहीं लोगों में स्मृति संबंधी विकार बढ़ा है। इसके अलावा जहरीली हवाओं के लगातार बने रहने से कई बीमारियां पैदा हो रही हैं।

सर्वेक्षण बता रहे हैं कि प्रदूषण से न केवल सांस लेने में दिक्कत हो रही है, बल्कि हृदय और एलर्जी संबंधी समस्याएं भी लोगों को हो रही हैं। अल्जाइमर और पार्किंसन की चपेट में भी लोग आ रहे हैं। सर्वेक्षण में भारतीयों की मुश्किलों का भी जिक्र है। कहा गया है कि इस प्रदूषण ने लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटा दी है और अब हालत ऐसी हो गई है कि एंटीबायोटिक दवाइयां भी कम असर कर रही हैं। देश में निरंतर बढ़ते प्रदूषण के कारण ऋतु चक्र

में असाधारण बदलाव आया है। बढ़ते वैश्विक ताप की वजह से जटिलताएं बढ़ रही हैं। बर्फ गिरने की प्रकृति बदल रही है। हिमनद हमारे जलस्रोत हैं। ये नदियों को पानी और बादलों को घुमड़न देते हैं। खेतों में फसलों को जीवन भी मिलता है। मगर अब बर्फ कम पड़ रही है और जो हिमनद बनते हैं, वे जल्दी पिघलने लगते हैं। इसी कारण बाढ़ के खतरे बढ़ गए हैं और लोगों का जीवन अनिश्चित हो गया है। जलवायु संकट की यह भयावह तस्वीर है।

ऐसी में सभी का दायित्व है कि वह प्रदूषण को किसी भी तरह नियंत्रित करने के लिए हरसंभव योगदान दें। सरकारें कदम उठाएं। वैश्विक ताप पर नियंत्रण के लिए ठोस उपाय हों। नारों और भाषणों से कुछ भी हासिल नहीं होगा। प्रदूषण से दुनिया के ज्यादातर देश बेहाल हैं। गरीब देशों के सामने संकट है, लेकिन समर्थ देश इस लड़ाई में अपना योगदान देने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका विचित्र तर्क है कि कार्बन उत्सर्जन तो तीसरी दुनिया के वे देश कर रहे हैं जो अब विश्व में चौथी औद्योगिक क्रांति का अगुआ बनना चाहते हैं। वैश्विक ताप को लेकर ताकतवर देशों को कोई चिंता नहीं। आधुनिकीकरण के दौर में लगातार पहाड़ काटे जा रहे हैं। खनन के लिए किए जा रहे विस्फोटों से धरती कांप रही है। कई पहाड़ दरक रहे हैं। पहाड़ी इलाकों में स्थिति गंभीर है। मनुष्यों की जिंदगी अनिश्चित हो गई है। लिहाजा अब सचेत होने का समय है।

मौसम का चरित्र बदल रहा है। बरसात के मौसम में बारिश नहीं होती और जब मानसून की विदाई का समय आता है, तो बादल फटने लगते हैं। पिछले वर्ष हिमाचल प्रदेश के कुल्लू से लेकर मंडी जिले तक बार-बार जल प्रलय हुआ। इन घटनाओं ने खतरे की घंटी बजा दी है। प्रकृति ने मनुष्यों को सचेत होने का संदेश दे दिया है। उत्तराखंड में धरती कांपती है, भूकम्प आते हैं और गांवों के गांव नक्शे से गायब हो जाते हैं। मगर लोगों को कोई यह नहीं समझाता कि जीवन जीने का सहज तरीका ही सर्वोत्तम है। ऐसा लगता है कि विकास की दौड़ में हम प्रकृति का ही विध्वंस करेंगे। ऐसे में जरूरी है कि अब वैज्ञानिकों की बताई सावधानियां बरती जाएं।

इसी संदर्भ में अरावली पहाड़ियों का मुद्दा एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ के रूप में सामने है। खनन माफिया की यही कोशिश रही है कि अरावली पर्वतमाला से अपने खनन व्यापार का हित साधा जाए। अरावली की जो छोटी पहाड़ियां हैं, वहां खनन किसी से छिपा नहीं है। इस समय यह पर्वत श्रृंखला संकट के दौर से गुजर रही है। पहाड़ी क्षेत्र में किस तरह संकट पैदा होते हैं, इसका सामना उत्तराखंड और हिमाचल ने बार-बार किया है। अरावली श्रृंखला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक फैली है। यहां खनन पट्टों के आबंटन पर रोक लगे, ऐसी मांग लोग करते रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में भी आवाज उठाई। गौरतलब है कि अरावली की पहाड़ियां थार रेगिस्तान और उत्तरी मैदानों के बीच एक दीवार का काम करती हैं।

कोई दो राय नहीं कि अरावली पर्वत श्रृंखला को किसी भी हाल में संरक्षित करना होगा। इस मुद्दे पर अब शीर्ष न्यायालय भी सख्त है, लेकिन हमें अब अन्य पर्वत श्रृंखलाओं पर भी ध्यान देना होगा। उन्हें बचाना होगा। अंधाधुंध विकास मानव जाति के लिए तबाही ही लाएगा, नहीं तो विकास की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। समस्या केवल पहाड़ों की नहीं है या उन मैदानी क्षेत्रों की नहीं है, जहां भूकम्प की लगातार आशंका बनी रहती है। यों दिल्ली से लेकर पंजाब और हिमाचल तक कई इलाकों में भूकम्प की आशंका बनी रहती है। इसलिए यहां जो भी विकास होता है, वह इस तरह होना चाहिए कि भूकम्प से बचाव हो सके।

दूसरी ओर प्रदूषण का असली कारण क्या है, इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पहले तो पंजाब पर आरोप लगता रहा कि वहां पराली जलाने से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता है, लेकिन अब विशेषज्ञों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह तो अंधाधुंध विकास का नतीजा है। वाहनों की बढ़ती समस्या भी चिंता का विषय है।

कचरे का उचित ढंग से निस्तारण न हो पाना भी एक चुनौती है। पराली न जलाने के लिए अभियान तो चलाया गया है, लेकिन प्रदूषण का समाधान कैसे होगा? स्वाभाविक है कि इसके लिए एक दीर्घकालिक ठोस नीति बनानी पड़ेगी। पराली पर राजनीति करने या नारेबाजी से समस्या नहीं सुलझेगी। सवाल यह भी है कि राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश तक जानलेवा घुटन क्यों है? स्पष्ट है कि हमें समस्या की तह में जाना होगा।

पैसा, ताकत और अहंकार से भयानक होते जा रहे हैं हम, जीवन की यह कैसी सुबह हो रही है?

कोई भी व्यक्ति हो, उसके भीतर करुणा-संवेदना, स्नेह, मानवता इत्यादि सहज गुण विद्यमान रहते हैं। एक बेहद सख्त दिखने वाले मनुष्य के भीतर भी ये नैसर्गिक गुण होते ही होते हैं। यह और बात है कि अनेक लोग जानबूझ कर अपने भीतर की सहज अनमोल थाती से अनजान बने रहते हैं और निर्ममता के साथ समाज में जीते रहते हैं। किसी के साथ हिंसा करते हैं, कहीं लूटपाट करते हैं। ऐसे अनेक लोग बुनियादी तौर पर अपनी हरकतों को अपनी विशेष कथित बहादुरी के रूप में ही देखते हैं।

अपने बुरे कर्मों के कारण ऐसे लोग एक दिन गिरफ्तार भी होते हैं, जेल जाते हैं, जेल से बाहर आते हैं और फिर उसी बुरे काम में लग जाते हैं। इनके भीतर कोई आत्मज्ञान नहीं आता। दरअसल, इनकी अंतर्निहित करुणा पूरी तरह सुप्त-सी रहती है। यह और बात है कि ऐसे लोग जब अपने घर पहुंचते हैं, तो अपनी छोटी बच्ची या बच्चे को प्रेम से उठाते हैं, चूमते हैं, प्यार करते हैं। उनकी हर इच्छा की पूर्ति करते हैं। लेकिन बाह्य जगत के लिए क्रूर व्यक्ति होते हैं।

गुंडे-बदमाशों की तरह एक सफेदपोश वर्ग भी ऐसा है, जो समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करते हुए अपना कारोबार करता है। खूब धनार्जन करता है। मगर इनमें से कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो कारोबार की आड़ में अपराध करते हैं और जिनके बारे में काफी विलंब से लोगों को पता चलता है। इनमें से कुछ ऐसे हैं जो खाने-पीने की चीजें बनाते हैं और उनमें खुल कर मिलावट करते हैं। इन्हें इस बात का भी दर्द नहीं होता कि चार पैसे अधिक कमाने के चक्कर में वे न जाने कितने लोगों के जीवन से खेल रहे हैं। मजे की बात है कि ये लोग अपना नियमित 'धंधा' भगवान की पूजा करने के बाद शुरू करते हैं और समापन प्रणाम करके। उन्हें ऊपर वाले का भी कोई खौफ नहीं होता कि वह देख रहा है।

जीवन-रक्षक दवाओं में भी मिलावट की जानकारी आए दिन मिलती रहती है। तब समाज और चकित होता है कि व्यावसायिक पतन कहां तक हो चुका है। पैसे कमाने के लिए लोग जहर बेचने में भी संकोच नहीं करते। ऐसे लोग देश-दुनिया में हर जगह मिल जाएंगे। कई लोग मनुष्य होते हुए भी अमानुष बने रहते हैं। सड़कों पर आए दिन कुछ ऐसे लोग हमें नजर आते हैं जो किनारे बैठे किसी कुत्ते को लात जमा देते हैं। किसी कुत्ते को ऊंची छत से फेंक देते हैं। या राह चलती सीधी-सादी गाय या किसी बैल को डंडा मार देते हैं। कभी-कभी चोट खाए जानवर के मामले में दांव उल्टा पड़ जाता है और वह डंडा मारने वाले को उठाकर पटक देता है।

समाज में इस तरह का एक ऐसा वर्ग है, जिसे हम परपीड़क कह सकते हैं। उसे दूसरों को पीड़ा पहुंचाने में आनंद आता है। कोई भी पशु हो, उसको प्रताड़ित करने में उसे असीम आनंद की अनुभूति होती है। शायद इसे ही शैतान की प्रवृत्ति कहा जाता है। ऐसे लोग हर जगह अपने से कमजोर तबके को पीड़ा पहुंचाते हैं। हमारे यहां शुरू से कहा गया है कि 'बड़े भाग मानुष तन पावा', लेकिन मनुष्य तन पाने के बावजूद अमानुष बन जाना सामाजिक व्यवस्था को चरमराने की कोशिश करने जैसा है। प्रश्न यह है कि आखिर समाज में कुछ लोग इतने निर्मम क्यों हो जाते हैं? क्यों किसी को पीड़ा पहुंचाते हैं?

इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि इन्होंने अपने धर्मग्रंथों का ठीक से अध्ययन-मनन नहीं किया है। उनकी सामाजिकता की पृष्ठभूमि ने उनके भीतर ऐसी संवेदना निर्मित नहीं की, जिसके सहारे वे दूसरों के प्रति मानवीय हो सकें और

साथ ही खुद को मानवीय संवेदनाओं से लैस कर सकें।

हालांकि ऐसे लोग दूसरों को मौके-बेमौके नुकसान पहुंचाते हैं या फिर पहुंचाना चाहते हैं, लेकिन अक्सर इसका नुकसान उन्हें भी उठाना पड़ता है। जब वे खुद को नुकसान में पाते हैं, तब शायद वे इसके कारणों पर विचार करते हों। धर्म कोई भी हो, वह मानवता का संचार करने का ही संदेश देता है। जिन परिवारों में बच्चों को बाल्यकाल से ही ऐसे संस्कार मिलते हैं, वे बड़े होकर नेक राह पर चलते हैं। अगर व्यवसाय करेंगे, तो ईमानदारी का ध्यान रखेंगे। मिलावट से बचेंगे।

सामाजिक जीवन में रहेंगे, तो एक श्रेष्ठ नागरिक की तरह आचरण करेंगे। जीवन जगत के अनेक मोर्चे पर कार्यरत लोग अगर नैतिक दृष्टि से शिक्षित रहेंगे तो कभी भी अपने हृदय में व्याप्त करुणा, दया-ममता आदि से दूर नहीं हो सकते। मगर जो लोग इस पर विचार ही नहीं करना चाहते, उनके बारे में कोई भी कुछ नहीं कर सकता। फिर भी यह संतोष की बात है इस महादेश में आज भी अनेक लोग पशुओं के प्रति बेहद संवेदनशील दिखते हैं। यानी वे जीव-दया के पक्षधर नजर आते हैं। उस दिशा में कुछ न कुछ काम करते रहते हैं। किसी मनुष्य पर कहीं कोई अत्याचार होता है, तो एक बड़ा वर्ग प्रतिरोध करने खड़ा हो जाता है।

इसलिए हमारे यहां यह भी कहा गया है कि यह दुनिया अच्छे लोगों से भरी पड़ी है। ऐसे लोगों की संख्या निरंतर बढ़नी चाहिए। यह तभी संभव है, जब हम नई पीढ़ी को उन सद्ग्रंथों की ओर मोड़ें, जो मनुष्य को और बेहतर मनुष्य बनाने की बात करते हैं। हर व्यक्ति को अपने स्तर पर आसपास के परिवेश में संवेदना के जागरण की दिशा में बिना बोले चुपचाप काम करते रहना चाहिए। इसका असर तभी संभव है, जब व्यक्ति खुद वैसा आचरण या उदाहरण पेश करे।

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पोल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था।

सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं।

इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों,

दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए। मुख्य पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण हो, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट तय हो कि किस स्तर का अधिकारी किस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार होगा। जवाबदेही केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को वास्तविक दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी।

आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है।

इंदौर की घटना केवल शोक व्यक्त करने का विषय नहीं है, यह व्यवस्था परिवर्तन की पुकार है। यदि इसे भी एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा कहकर भुला दिया गया, तो कल किसी और शहर में, किसी और गली में, कोई और परिवार इसी पीड़ा से गुजरेगा। जनता को अब नारों, पुरस्कारों और रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे सवाल पूछने होंगे, जवाब मांगने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वच्छ भारत केवल झाड़ू और प्रचार से नहीं, बल्कि जवाबदेही, ईमानदारी और संवेदनशील प्रशासन से बने। यदि इंदौर की पंद्रह मौतें भी व्यवस्था की नींद नहीं तोड़ सकीं, तो यह मानना पड़ेगा कि गंदगी केवल पानी की पाइपलाइन में नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नसों में बह रही है।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी 2026 सत्र के प्रवेश शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी 2026 की प्रवेश प्रक्रिया बुधवार को प्रारम्भ कर दिया।विश्वविद्यालय की सत्र जनवरी 2026 की प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने इस बार प्रवेश प्रक्रिया को बहुत सरल एवं सुलभ बनाया है। छात्रों को आवेदन करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार छात्रों को अपनी अपार आईडी, एबीसी आईडी एवं यूजीसी डेब आईडी बनाने के पश्चात ही प्रवेश प्रक्रिया सम्पादित की जाएगी। विश्वविद्यालय के दक्ष तकनीकी विशेषज्ञों ने इस प्रक्रिया को अत्यन्त सरलीकृत कर दिया है जिससे छात्रों को फॉर्म भरने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय जनवरी 2026 सत्र में सभी प्रवेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप करने को कृत संकल्पित है। डिजिटल क्रांति के इस कालखण्ड में मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों के सुविधा को ध्यान में रखकर प्रवेश

की ऑनलाइन व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुक्त विश्वविद्यालय गुणात्मक शिक्षा की आकांक्षा रखने वाले हर व्यक्ति तक उच्च शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए अग्रसर है। विश्वविद्यालय ने जनवरी 2026 सत्र में 24 परास्नातक कार्यक्रमों, 06 स्नातक कार्यक्रमों, 04 जागरूकता कार्यक्रमों, 07 डिप्लोमा कार्यक्रमों तथा 23 प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों सहित कुल 64 कार्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ किया है। सभी स्नातक प्रोग्राम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई आधारित स्किल कोर्स द्वितीय वर्ष में शुरू किया जा रहा है। जनवरी 2026 सत्र के प्रथम वर्ष में संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा, एम ए गृह विज्ञान तथा बी सी ए कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रवेश के उद्घाटन सत्र में ऑनलाइन जुड़े हुए सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों क्रमशः प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, बलिया, अयोध्या, झाँसी, मेरठ, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी तथा गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों को निर्देशित किया कि वह केन्द्र पर आने वाले छात्रों की हर सम्भव सहायता करें, जिससे उन्हें प्रवेश लेते समय किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने समन्वयकों से अधिकाधित लोगों तक प्रवेश की जानकारी पहुँचाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों का उपयोग करने की सलाह दी। प्रोफेसर सत्यकाम ने आशा व्यक्त की है कि सभी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों के सहयोग से इस बार हम एक लाख की छात्र संख्या का लक्ष्य अवश्य पूरा कर लेंगे एवं इस बार किसी भी छात्र को प्रवेश से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

प्रारम्भ में प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जय प्रकाश यादव ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत तथा कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्या शाखाओं के निदेशक एवं प्रभारीगण उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक में मतदाता सूची में नाम बढ़ाने को लेकर बनी ठोस रणनीति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज पार्टी कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव द्वारा की गई।जिसमें संगठन के जिला, विधानसभा, ब्लाक के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए मतदाता सूची में अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के नाम जुड़वाने की रणनीति तैयार करना रहा।

बैठक में चर्चा करते हुए नेताओं ने कहा कि एँधं (एजर्मेत घ्हूहेग्र्नं ान्गदह) के बाद भी बड़ी संख्या में ऐसे युवा, महिलाएं एवं वंचित वर्ग के लोग हैं, जिनके नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाए हैं। लोकतंत्र को मजबूत करने और हर नागरिक को मतदान का अधिकार दिलाने के लिए मतदाता सूची का समावेशी होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से समाजवादी पार्टी ने जमीनी स्तर पर अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

बैठक में बताया गया कि चुनाव आयोग से प्राप्त फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पात्र नागरिकों की पहचान करेंगे, उन्हें फॉर्म-6 भरने में सहयोग करेंगे और समयबद्ध ढंग से संबंधित निर्वाचन कार्यालयों में फार्म जमा कराएंगे। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं, नवविवाहित महिलाओं तथा हाल ही में स्थानांतरित हुए नागरिकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि यह कार्य केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी है। समाजवादी पार्टी हमेशा से जनभागीदारी और सामाजिक न्याय की पक्षधर रही है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाना नागरिक

अधिकारों की रक्षा का एक सशक्त माध्यम है। पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वे किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक मतदाता सहायता टीम का गठन किया जाएगा, जो फॉर्म-6 से संबंधित जानकारी, दस्तावेजों की जांच तथा ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन में मदद करेगी। साथ ही, पार्टी के वरिष्ठ नेता समय-समय पर इस अभियान की समीक्षा करेंगे और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

विधायक श्रीमती विजमा यादव ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इस अभियान को सफल बनाएं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और लोकतंत्र को मजबूत करने के संकल्प के साथ समाप्त हुई।

लाखों श्रद्धालुओं को मिल रही भण्डारे से सुविधा : कल्याणीनंद गिरि

किन्नर महामण्डलेश्वर ने सबसे बडे भण्डारा ओम नमः शिवाय में बनाया खाना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा की महामण्लेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरि (छोटी मां) ने आज माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान सबसे बडे भण्डारा ओम नमः शिवाय लाल रोड परेड पहुंची और अपने हाथ से खाना बनाया। उन्होंने बडे कडाहे में चावल, सब्जी बनायी और श्रद्धालुओं में वितरण किया। महामण्लेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरि (छोटी मां) ने कहा कि माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान दर्जनभर स्थानों पर लाखों श्रद्धालुओं को दिन, रात खाना खिलाया जा रहा है इससे जहां श्रद्धालुओं को सुविधा होती है वही तीर्थराज प्रयागराज का भी नाम हो रहा है कि लाखों लोगों को दिन, रात खाना खिलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाना खाने वाले भी स्वयंसेवको और संस्था को आशीर्वाद देते है कि और उन्नति हो। महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि ने ओम नमः शिवाय शिविर के व्यवस्थापक शिवम को बहुत बढिया भण्डारा चलाने के लिये आशीर्वाद दिया। उल्लेखनीय है कि ओम नमः शिवाय की ओर से माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान 49 वर्षो से विशाल भण्डारा मेला क्षेत्र के दर्जनभर प्रमुख स्थानों पर चल रहा है।

त्यागी नगर में श्रीरामार्चा पूजन, भण्डारा आज

प्रयागराज। अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खाक चौक नया घाट, अयोध्या का शिविर महावीर मार्ग के दक्षिणी पटरी पर लगा हुआ है। महामण्डलेश्वर स्वामी रामसंतोष दास महराज ने बताया कि शिविर में भजन, विशाल अन्न क्षेत्र दिन, रात चल रहा है जिसमें बडी संख्या में शिष्य और श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर रहे है। शिविर के व्यवस्थापक महामण्डलेश्वर स्वामी गोपाल महराज ने बताया कि शिविर में श्रीरामार्चा पूजन और विशाल भण्डारा आठ जनवरी गुरूवार को सुबह सात बजे से पूजन शुरू होगा और दोपहर बाद विशाल भण्डारा शुरू होगा जिसमें बडी संख्या में संत, महात्मा, श्रद्धालु और शिष्य परिवार सहित शामिल होकर भण्डारे का प्रसाद ग्रहण करेगे। उन्होंने बताया कि बसंत पंचमी से धुना तपस्या शुरू होगी जो गंगा दशहरा तक चलेगी, इस पूजन में पांच सौ त्यागी संत, महात्मा धुना तपस्या में शामिल होगे।

मंत्री नन्दी ने करेलाबाग और रसूलपुर क्षेत्र में किया भ्रमण

बूथ अध्यक्षों के घर जाकर की मुलाकात

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बुधवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के करेलाबाग और रसूलपुर क्षेत्र में भ्रमण कर बूथ अध्यक्षों के साथ ही लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया। मंत्री नन्दी ने रसूलपुर में बूध अध्यक्ष 74 हिमांशु गुप्ता, बूध अध्यक्ष 71 श्रीमती माया चौधरी बूथ अध्यक्ष 78 अभिजीत बनर्जी, भाजपा महानगर अध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, दूध अध्यक्ष 70 अशोक कुमार, करेलाबाग में बूध अध्यक्ष 69 श्रीमती राधिका हेला के घर जाकर मुलाकात की। बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, जनसम्पर्क, आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा एवं नए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने पर चर्चा की। मंत्री नन्दी ने कहा कि बूथ अध्यक्ष ही संगठन की रीढ़ हैं। उनके समर्पण व सक्रियता से ही पार्टी की शक्ति जन-जन तक पहुंचती है। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, सेक्टर संयोजक आशीष कुशवाहा, सेक्टर संयोजक लोकेंद्र प्रताप सिंह, मनोज गुप्ता, अमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

माघ मेले में स्नान घाट के समतलीकरण की मांग, श्रद्धालु परेशान

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पीपा पुल नंबर छह के समीप स्नान घाट का बोर्ड मेला प्रशासन द्वारा लगवाया गया है मेला प्रशासन की ओर से यहां, घाट का समुचित समतलीकरण न होने के कारण श्रद्धालुओं को स्नान नहीं कर पा रहे है कल्पवासियों का कहना है कि स्नान घाट उपयोग योग्य न होने के कारण उन्हें मजबूरी में पीपा पुल नंबर पांच के पास जाकर स्नान करना पड़ रहा है, जिससे भीड़ बढ़ रही है और असुविधा हो रही है। नागवासुकी रोड स्थित पीपा पुल नंबर छह के समीप श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित स्नान घाट के साथ-साथ महिलाओं के कपड़े बदलने के लिए चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था किए जाने की मांग माघ मेला प्रशासन से की गई है।श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि समय रहते घाट का समतलीकरण कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं तो कल्पवासियों और स्नानार्थियों को बड़ी राहत मिल सकती है। अब देखना यह है कि मेला प्रशासन इस मांग पर कब तक कार्रवाई करता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा का निधन

पत्रकारिता को जीवन मानने वाले समर्पित सिपाही को भावभीनी श्रद्धांजलि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब प्रयागराज के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र मिश्रा का मंगलवार की रात एक निअस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से संघर्ष कर रहे थे, लेकिन अंतिम समय तक पत्रकारिता के प्रति उनका समर्पण अटूट रहा। कैंसर जैसी बीमारी से जूझते हुए भी उन्होंने महाकुंभ जैसे भव्य धार्मिक आयोजन में अपने चैनल और संस्थान के लिए सक्रिय रिपोर्टिंग कर अपने कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व की मिसाल पेश की।

उनके निधन की सूचना मिलते ही मीडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब द्वारा आयोजित वर्चुअल शोकसभा में क्लब के संस्थापक एवं संयोजक वीरेंद्र पाठक ने राघवेंद्र मिश्रा के साथ जुड़े संस्मरण साझा करते हुए कहा कि वे पत्रकारिता के प्रति पूर्णतः समर्पित, ईमानदार और सच्चे सिपाही थे। उन्होंने बताया कि राघवेंद्र मिश्रा संस्कृत के अच्छे ज्ञाता थे और उनके शब्दों का चयन सदैव उच्च कोटि का होता था। बीमारी के दौरान भी वे पुनः फील्ड में लौटने की बात कहते रहे, जो उनके जज़्बे को दर्शाता है।

शोकसभा में पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिवारी, राजेंद्र गुप्ता, पवन मिश्रा, पूर्व सचिव कुलदीप शुक्ला, आरव भारद्वाज, मोहम्मद लईक, विकास मिश्रा, सौरभ पंडित, मोहम्मद आरिज, भेलचंद पांडे, विशाल श्रीवास्तव, राकेश पांडे, पीयूष पांडे, रचना द्विवेदी, डॉ. जैदुल्लाह, डॉ. शमशाद खान, अभिषेक गुप्ता, राज हेमांशू सागर, उमेश सहित अन्य क्लब सदस्यों ने सहभागिता की। सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य व शक्ति प्रदान करने की कामना की गई।

माघ मेला बना लोक आस्था, साहित्य और दर्शन के संवाद का केंद्र- डॉ. सरोज सिंह

शब्द-ब्रह्म संगोष्ठी में वक्ताओं ने रखे अपने विचार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गंगा-यमुना के पावन संगम तट की वैचारिक गरिमा एक बार फिर साहित्य और संस्कृति के उत्सव में तब्दील हो उठी। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'शब्द-ब्रह्म' साहित्य एवं संस्कृति संगोष्ठी के चौथे दिन का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं अन्य वक्ताओं ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पर्यावरण चिंतक एवं भोजपुरी पत्रिका के संपादक अजीत कुमार ने 'साहित्यिक संचेतना का तीर्थ है माघ मेला' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रयागराज को 'साहित्यिक संचेतना का ती थ' कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि यह संपूर्ण विश्व की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने प्रयाग को साहित्यिक संचेतना का अक्षयवट बताते हुए कहा कि'गंगा-यमुना के मिलन की इस धरा पर केवल नदियाँ नहीं, बल्कि युगों का विचार-प्रवाह एकत्र होता है। जैसे संगम पर स्नान से काया निर्मल होती है, वैसे ही प्रयागराज की साहित्यिक गोष्ठियों से प्रज्ञा का संस्कार होता है।'उन्होंने प्रयागराज को हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक राजधानी बताते हुए इसके ऐतिहासिक और संस्थागत योगदान को अविस्मरणीय बताया।

इसके पश्चात साहित्यकार डॉ. सरोज सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि माघ मेले का साहित्यिक महत्व उसके पौराणिक संदर्भों, सांस्कृतिक विरासत एवं धार्मिक ग्रंथों में स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। उन्होंने कहा कि शब्द-ब्रह्म जैसे कार्यक्रम माघ मेले को लोक आस्था, साहित्य और जीवन दर्शन के संवाद का केंद्र बनाते हैं। प्रयाग से ही उस परंपरा का अभिलेखिक साक्ष्य मिलता है, जहाँ दर्शन, स्नान और देह-त्याग के माध्यम से मोक्ष की संकल्पना विकसित हुई।

इसी क्रम में ब्रह्मनाद कला प्रतियोगिता के अंतर्गत वादन विधा में 20 प्रतिभागियों ने सितार, बांसुरी, ऑक्टोपैड एवं तबला पर आकर्षक प्रस्तुतियाँ देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। प्रतियोगिता में प्रयागराज, बनारस, बांदा एवं रायबरेली से आए प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रभाकर त्रिपाठी, श्लेष गौतम, शैलेन्द्र मधुर सहित केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उपमुख चिकित्सा अधिकारी पशु सोराम ने दी पशुपालकों को गोष्ठी में दी आवश्यक जानकारी

हरा सरसों व पैरा खिलाने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

मंत्र भारत संवाददाता

सोरांव। उपमुख चिकित्सा अधिकारी पशु अस्पताल सोराम डॉ. रेवती प्रसाद ने पशुपालकों की गोष्ठी में उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में पशुओं की देखभाल में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। पशुपालकों की गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से चेताया कि ठंडक के समय पशुओं को हरा सरसों व पैरा खिलाने से फूड प्वाइजनिंग और डगनाल जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं।उपमुख चिकित्सा अधिकारी ने पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार, स्वच्छ पानी, समय पर टीकाकरण और पशुशालाओं की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के बीमारी के लक्षण दिखने पर बिना देरी किए नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए, ताकि समय रहते उपचार संभव हो सके।गोष्ठी में फार्मासिस्ट अमृतलाल, रोहित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के पशुपालक व संभ्रांत लोग मौजूद रहे। पशुपालकों ने उपमुख चिकित्सा अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताते हुए पशुओं की बेहतर देखभाल करने का संकल्प लिया।

महिलाओं को किया गया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर।

सनातन धर्म में आने वाली चुनौतियों का करना होगा सामना :स्वामी सरयूदास

महात्यागी नगर खालसा का लगा शिविर, ध्वज पूजन के बाद हुआ स्थापित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के रामानंद ब मार्ग अक्षयवट चौराहा पर बीकानेर वाले महात्यागी नगर खालसा सियाराम बाबा रामझरोखा कैलाशधाम बीकानेर, राजस्थान का शिविर लगा हुआ है। राष्ट्रीय संत 108 अखिल भारतीय महामण्डलेश्वर सरयूदास महात्यागी की अध्यक्षता में आज विधि विधान से ध्वज पूजन हुआ और शिविर में ध्वजा स्थापित की गयी। शिविर में पूजन, हवन और भण्डारा शुरू हो गया है। बडी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे है।

राष्ट्रीय संत 108 अखिल भारतीय महामण्डलेश्वर सरयूदास महात्यागी ने बताया कि शिविर में सनातन धर्म से संबंधित संगोष्ठी सहित अन्य कार्यक्रम होगा जिसमें माघ मेला में आये हुए सभी प्रमुख संत, महात्मा और बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होगे। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म के सामने सबसे ज्यादा चुनौतियां है इसके लिए हमें, आपको और आने वाली चुनौतियों से समय रहते निपटना होगा। महामण्डलेश्वर सरयूदास महात्यागी ने बताया कि भारतीय संस्कृति पर पश्चिम सभ्यता के बढते प्रभाव को रोकना होगा जिससे कि उसका दुष्प्रभाव भारतीय युवाओं, युवतियों पर ना पडे।

शिवाजी चौक पर भाजपा की विजय संकल्प सभा में मुख्यमंत्री का दावा.

भिवंडी को लॉजिस्टिक हब बनाने और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का दिया भरोसा

भिवंडी में महायुति का महापौर बना तो विकास को मिलेगी नई गति-- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस..

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के शिवाजी चौक पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से विजय संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने निर्विरोध निर्वाचित हुए भाजपा के सभी नगरसेवकों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक सभा में मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भिवंडी में महायुति का महापौर बनाना एक नया इतिहास रचने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि अगर शहर में महायुति का नेतृत्व आता है तो भिवंडी के विकास के लिए किसी भी तरह की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल भिवंडी को केवल पैसा कमाने का जरिया मानकर चुनाव लड़ते हैं और शहर को एटीएम की तरह इस्तेमाल करते हैं, जबकि भाजपा और महायुति की राजनीति विकास पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद भिवंडी के लिए बड़े पैमाने पर निधि उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि हाल ही में मंत्री कपिल पाटील ने भी यह बात सार्वजनिक रूप से कही है कि भाजपा सरकार ने भिवंडी के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि दी है। उन्होंने कहा कि पहले एमएमआरडीए का अस्तित्व होने के बावजूद भिवंडी में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो पा रहे थे। कारण यह था कि इस संस्था को विकास के बजाय एटीएम की तरह देखा जा रहा था। भाजपा सरकार ने यह सोच बदलते हुए तय किया कि एमएमआरडीए के माध्यम से वास्तविक और स्थायी विकास कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि शहर में अंडरग्राउंड मेट्रो से जुड़े जो निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं या गिर चुके हैं, उन्हें नए सिरे से पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही जर्जर पुलों को तोड़कर नए पुल बनाए जाएंगे, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके।

उन्होंने भिवंडी को एक बड़े लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित करने की योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भिवंडी को जितने पानी की जरूरत होगी, उतनी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार अभी से प्रयास कर रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भिवंडी में 15 हजार घरों को मंजूरी दी गई है। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी और उनके लिए आवश्यक चार्जिंग सेंटर स्थापित करने की अनुमति भी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार यह विचार कर रही है कि अलग-अलग तरीकों से भिवंडी का विकास कैसे किया जा सकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि भिवंडी में महायुति का महापौर चुना जाता है, तो विकास कार्यों के लिए जितनी भी धनराशि की आवश्यकता होगी, वह पूरी उपलब्ध कराई जाएगी और किसी भी तरह की कमी नहीं पड़ने दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में जिन-जिन स्थानों पर महायुति के महापौर हैं, वहां सरकार ने जरूरत के अनुसार पूरा निधि उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा जो कहती है, उसे करके दिखाती है। विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि बहुमत मिलने के बाद यह कहा जा रहा था कि लाडकी बहिण योजना बंद कर दी जाएगी, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि यह योजना कभी बंद नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का अगला लक्ष्य लाडकी बहिणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर लखपती दीदी बनाना है,सभा के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि महायुति का महापौर बनने के बाद भिवंडी के विकास को नई दिशा दी जाएगी और शहर को प्रगति के पथ पर आगे ले जाया जाएगा। विजय संकल्प सभा के दौरान शिवाजी चौक पर उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला।

आयुर्वेद में अनुसंधान की अपार संभावनाएँ - डॉ जी एस तोमर

गंगा नाथ झा परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा पर कार्यशाला

प्रयागराजः भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर द्वारा आयोजित 'भारतीय ज्ञान परम्परायां नवानुसंधानम्' विषयक् राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर अतिथि वक्ता अपने व्याख्यान में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) गिरीन्द्र सिंह तोमर ने 'आयुर्वेद अनुसंधान के भविष्य की संभावनाएँ' विषय पर अपना विस्तृत उद्बोधन दिया । डॉ तोमर ने बताया कि यद्यपि आयुर्वेद समय परीक्षित (टाइम टैस्टेड) चिकित्सा विधा है तथापि इसकी बढ़ती हुई लोकप्रियता आज भारत की चारदीवारी से निकलकर वैश्विक क्षितिज पर स्थापित हो रही है । अतः वैश्विक परिदृश्य में इसे उनकी ही भाषा में समझाने के लिये साक्ष्य आधारित बनाना समय की माँग है । इसमें वर्णित तथ्यों को वैज्ञानिक कसौटी पर प्रमाणित करना बहुत आवश्यक है । इस क्षेत्र में अनुसंधान की अपार संभावनाएँ हैं । उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन भी आज आयुर्वेद जैसी प्रभावी पारम्परिक चिकित्सा पर अनुसंधान के नए नए आयाम स्थापित कर रहा है । अकेले अश्वगंधा पर वर्तमान में 20 हज़ार से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं जो पब्लिक डोमेन में विद्यमान हैं । यही नहीं जीर्ण एवं दुश्चिकित्स्य रोगों में आयुर्वेद की कार्मुकता आज सम्पूर्ण चिकित्सा जगत स्वीकार करने लगा है । सोलहवीं सदी में शारंगधर द्वारा वर्णित जन्म से सौ वर्ष तक का इम्युनाइजेशन शेड्यूल आज विश्व के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है । ब्राह्मी एवं शंखपुष्पी के बुद्धि वर्धक प्रभाव एवं अश्वगंधा एवं गिलोय के व्याधिक्षमत्व वर्धक गुणों से आज सभी परिचित हैं । इस अवसर पर उन्होंने शोध के छात्रों का आह्वान किया कि वे आगे आकर आयुर्वेद के गूढ़ सिद्धांतों को सरल बनाकर जनोपयोगी बनाएँ । आयुर्वेद पर सही शोध एक टीम वर्क है । जिसमें इण्डोलॉजिस्ट्स,

वायोकैमिस्ट्स, फार्मेकोलॉजिस्ट्स, एवं क्लिनीशियन्स सम्मिलित रूप से काम करना होगा, तभी भारतीय ज्ञान परम्परा की इस अमूल्य निधि को सर्वजनहिताय एवं सर्वजनसुखाय बनाया जा सकेगा । व्याख्यान के प्रारम्भ में डॉ यशवंत त्रिवेदी ने डॉ तोमर का परिचय कराया एवं अभिनंदन किया । अन्त में भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र के अध्यक्ष प्रो देवदत्त सरोदे ने अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर डॉ तोमर को सम्मानित किया । हाइब्रिड मोड पर प्रायोजित इस कार्यक्रम में लगभग एक सौ पचास शोध छात्र एवं शिक्षक उपस्थित हुए ।

घर में सेंधमारी, सोने के आभूषण और नकदी चोरी

खिड़की तोड़कर चोरों ने अलमारी से 11.34 लाख रुपये का माल उड़ाया

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में एक बार फिर चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए खिड़की तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारी में रखे सोने के आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता श्रीमती सलमाबानो नियाज अहमद शेख (52), निवासी जैतूनपुरा, पारिवारिक कार्यक्रम के चलते अपने दूसरे निवास स्थान गई हुई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद 5 जनवरी की सुबह जब वे अपने घर लौटीं, तो उन्होंने देखा कि घर की खिड़की टूटी हुई है और अलमारी का ताला भी तोड़ा गया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि अज्ञात चोरों ने खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखे सोने के आभूषण तथा नकद राशि चोरी कर ली। चोरी गए माल की कुल कीमत लगभग 11 लाख 34 हजार 500 रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है, जिसकी आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक विशाल पवार कर रहे हैं।

चलती ऑटो में महिला के गहनों पर हाथ साफ, जकात नाका के पास वारदात, 25 हजार का माल उड़ाया

भिवंडी। भिवंडी में अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। दिनदहाड़े चलती ऑटो रिक्शा में सफर कर रही एक महिला से सोने की अंगूठी और नकदी चोरी किए जाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यह घटना भिवंडी के जकात नाका इलाके के पास हुई, जहां ऑटो में सवार अज्ञात चोर ने बड़ी सफाई से महिला के गहनों और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता संगीता संतोष जाधव (48), जो पालघर की निवासी हैं और किराणा दुकान का व्यवसाय करती हैं, 6 जनवरी को अपनी बेटी से मिलने के लिए कल्याण से भिवंडी की ओर ऑटो रिक्शा से निकली थीं। वह सुबह करीब 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच ऑटो से वंजार पट्टी नाका की ओर जा रही थीं। इसी दौरान जकात नाका, भिवंडी के पास ऑटो में सवार एक अज्ञात व्यक्ति अथवा महिला ने भीड़भाड़ और मौके का फायदा उठाते हुए शिकायतकर्ता की करीब 5.100 ग्राम वजनी सोने की अंगूठी और 1,000 रुपये नकद चोरी कर लिए।महिला को चोरी का अहसास तब हुआ, जब वह अपने गंतव्य के पास पहुंची। हाथ से अंगूठी और पर्स से नकदी गायब देख वह घबरा गई और तुरंत निजामपुर पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। चोरी गए माल की कुल कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई जा रही है। निजामपुर पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और ऑटो रिक्शा के रूट पर आने-जाने वाले संदिग्धों की पहचान की जा रही है।

भिवंडी मनपा चुनाव में आचार संहिता पर कड़ी नजर, 6 मामले दर्ज, 12.68 लाख रुपये जब्त

चुनाव आयोग के निर्देश पर आचार संहिता कक्ष स्थापित, 24 घंटे टोल फ्री नंबर पर दर्ज हो रही हैं शिकायतें

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 की घोषणा के बाद चुनाव आचार संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार और चुनाव अधिकारी तथा आयुक्त अनमोल सागर के मार्गदर्शन में अतिरिक्त आयुक्त एवं आचार संहिता नोडल अधिकारी विठ्ठल डाके के नियंत्रण में विशेष आचार संहिता कक्ष की स्थापना की गई है।

आचार संहिता के पालन पर नजर रखने के लिए समीर जवरे को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रभाग समिति स्तर पर आचार संहिता पथक प्रमुखों की नियुक्ति की गई है। प्रभाग समिति क्रमांक 1 के लिए मकसुम शेख, प्रभाग समिति क्रमांक 2 के लिए माणिक जाधव, प्रभाग समिति क्रमांक 3 के लिए सुरेंद्र भोईर, प्रभाग समिति क्रमांक 4 के लिए गिरीधर घोष्टेकर तथा प्रभाग समिति क्रमांक 5 के लिए सईद चिवणे को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आचार संहिता की सख्ती से निगरानी के लिए इन अधिकारियों के अधीन कुल 11 फ्लाइंग स्क्वॉड टीम (FST), 7 स्थिर सर्वेक्षण टीम (SST) और 13 वीडियो सर्विलांस टीम (VST) तैनात की गई हैं। ये टीमें चुनाव प्रचार, सभाओं और अन्य गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही हैं।

भिवंडी मनपा की मुख्य प्रशासकीय इमारत के कक्ष क्रमांक 409 में आचार संहिता कक्ष स्थापित किया गया है। नागरिकों की शिकायतों के लिए 24 घंटे टोल फ्री नंबर 18002331105, दूरभाष नंबर (02522) 229959 और ई-मेल bncmc. ele.mcc @gmail.com की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई कर निवारण किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अब तक आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में विभिन्न पुलिस थानों में पथकों द्वारा कुल 6 अपराध दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही 12 लाख 68 हजार 900 रुपये की नकद राशि जब्त की गई है।

चुनाव अधिकारी तथा आयुक्त अनमोल सागर ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी आचार संहिता का उल्लंघन होता दिखाई दे, तो वे बिना संकोच टोल फ्री नंबर या अन्य माध्यमों से शिकायत दर्ज कराएं, ताकि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित किया जा सके।

देवरिया जेल में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की तबीयत अचानक बिगड़ी

गोरखपुर रेफर–हार्ट अटैक की आशंका; जमानत अर्जी खारिज

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के देवरिया जिले से बड़ी खबर आ रही है। देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की तबीयत मंगलवार देर रात अचानक खराब हो गई। जेल प्रशासन ने उन्हें पहले महर्षि देवरहवा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। फिलहाल उनका इलाज गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में जारी है।अमिताभ ठाकुर 10 दिसंबर से देवरिया जेल में बंद हैं। उन पर इंडस्ट्रियल एरिया की जमीन से जुड़े धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई चल रही है। मंगलवार को सीजेएम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अमिताभ ठाकुर पर आरोप है कि उन्होंने 1998-2000 के बीच एसपी रहते हुए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। लखनऊ के तालकटोरा थाने में दर्ज एफआईआर में आवास विकास कॉलोनी निवासी संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि अमिताभ ठाकुर की पत्नी नूतन ठाकुर ने अपने और परिवार के फायदे के लिए फर्जी नाम और दस्तावेज तैयार किए। शिकायत में कहा गया है कि नूतन ठाकुर ने फर्जी पहचान पत्र और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए इंडस्ट्रियल एरिया में प्लॉट का आवंटन कराया और बाद में रजिस्ट्री कराकर उन पर कब्जा कर लिया। शिकायत में यह भी आरोप है कि नूतन ठाकुर ने अलग-अलग नकली नामों से शपथ पत्र और बैंक चालान जमा किए। संजय शर्मा का कहना है कि उस समय जिले के एसपी होने के बावजूद अमिताभ ठाकुर ने इन कथित गड़बड़ियों की जानकारी होने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की। बल्कि उन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों की मिलीभगत से प्लॉट हासिल किया।

नेशनल हाईवे पर स्टंटबाजी की रील वायरल नियमों की उड़ाई धज्जियां, कार्रवाई पर उठे सवाल

औरैया **(एजेंसी)**। जनपद में रीलबाजों का खतरनाक शौक एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। औरैया सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे पर कार सवार युवकों ने चलती कार पर सवार होकर स्टंटबाजी करते हुए रील बनाई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह नियमों को ताक पर रखकर युवक अपनी जान के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान को भी जोखिम में डाल रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह स्टंटबाजी खुलेआम नेशनल हाईवे पर की गई, जहां तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद रीलबाज बेखौफ होकर कार की छत और दरवाजों पर लटककर स्टंट करते नजर आए। हैरानी की बात यह है कि सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान जाने के बावजूद ऐसे रीलबाज कोई सबक नहीं ले रहे हैं और सोशल मीडिया पर वायरल होने के चक्कर में खतरनाक हरकतों को अंजाम दे रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की स्टंटबाजी से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। नियमों की अनदेखी कर बनाई गई यह रील अब पूरे जनपद में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर जिम्मेदारों की नजर इन रीलबाजों पर कब पड़ेगी और इनके खिलाफ क्या सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब देखने वाली बात यह होगी कि औरैया सदर कोतवाली पुलिस और संबंधित अधिकारी वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर इन स्टंटबाजों के खिलाफ क्या कदम उठाते हैं। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बना हुआ है और लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

रखवाले ही बन गए लुटेरे! पीएसी जवानों ने चांदी कारोबारी को लूटा

दिखाया वर्दी का रौब, गांजा तस्कर बताकर किया कांड

लखनऊ **(एजेंसी)**। जिस खाकी वर्दी पर आप अपनी सुरक्षा का भरोसा रखते हैं, अगर वही खाकी आपकी जान की दुश्मन हो जाए तो आप क्या करेंगे। ऐसा ही एक मामला मथुरा से आया है। जहां छिंदवाड़ा से ट्रेन में बैठकर मथुरा रेलवे स्टेशन के बाहर आए हाथरस के चांदी व्यापारी से 2 पुलिसकर्मियों ने अपने अन्य गैंग के साथियों के साथ मिलकर लूटपाट की घटना को अंजाम दे दिया।

दरअसल, हाथरस के रहने वाले चांदी कारोबारी छिंदवाड़ा से ट्रेन में बैठकर आ रहे थे और मथुरा रेलवे स्टेशन पर धोली प्याऊ इलाके में उतरे। वहां से हाथरस जाने के लिए निकले। स्टेशन पर उतरते ही उनके साथ एक बलेनो गाड़ी में सवार तीन लोगों ने उनसे लूटपाट का प्रयास किया और कहा के तुम गांजे का काम करते हो। इस पर व्यापारी ने विरोध किया। इसी बीच वर्दी में मौजूद पुलिसकर्मी और अन्य लोगों ने व्यापारी से बैग छीन लिया और बलेनो गाड़ी में फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि लूट करने वाले लोगों में पुलिस की वर्दी में भी बदमाश शामिल थे।

व्यापारी से लूट की जानकारी मिलते ही मथुरा एसएसपी श्लोक कुमार ने घटना का खुलासा करने के लिए तीन टीमों का गठन किया। पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी की और बोलेरो सवार बदमाशों को माल गोदाम रोड से गिरफ्तार कर लिया। जब पुलिस ने पकड़े गए लुटेरों से पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम रोहि, गोपाल और नरेंद्र बताया जो मथुरा और हाथरस के रहने वाले हैं। वहीं पुलिस की जांच में सामने आया कि पकड़े गए तीनों लोगों में शामिल नरेंद्र पुलिस कर्मी है जो की पीएसी आगरा में तैनात है। पीएसी में तैनात नरेंद्र के साथ एक अन्य पीएसी पुलिसकर्मी भी लूट की घटना में शामिल है। अब पुलिस फरार पुलिसकर्मी और उसके साथी की तलाश कर रही है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी रोहित और गोपाल पीहित व्यापारी के गांव से ही है। वो पहले से ही व्यापारी को जानते थे। पुलिस ने पकड़े गए बलेनो सवार तीनों बदमाशों के कब्जे से डकैती का सामान बरामद किया है, जिसमें 2 किलो 400 ग्राम चांदी साठ हजार नगद, दो तमंचा, दो कारतूस, एक काले रंग का बैग घटना में प्रयोग की गई बलेनो गाड़ी बरामद की है।

मधुमक्खियों से बचने के लिए जंगली घास में छिपा बुजुर्ग

अचानक लगी आग में जिंदा जलकर मौत–परिवार में मचा कोहराम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। जहां हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के गोतावन पुरवा गांव में 70 वर्षीय राम औतार उर्फ फक्कड़ की मौत आग में जलने से हो गई। घटना की वजह थी मधुमक्खियों का हमला और उसी दौरान जंगली घास में लगी आग।

मिली जानकारी के अनुसार, राम औतार मूंज (जंगली घास) के सिरका, सूप, डालिया आदि बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। मंगलवार दोपहर वह मूंज लेने जंगल गए थे। रास्ते में मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। बचने के लिए राम औतार सड़क किनारे लगी खर-पतवार (जंगली घास) में छिप गए। इस दौरान किसी ने मधुमक्खियों को भगाने के लिए खर-पतवार में आग लगा दी। राम औतार इस आग में फंस गए और मौके पर मौजूद लोग वहां से भाग गए। देर शाम तक घर न लौटने पर परिवार वालों ने तलाश शुरू की। उन्हें जली हुई खर-पतवार में राम औतार का शव मिला।

हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। राम औतार की पत्नी ने बताया कि सुबह उनके पति बाबा टीकाराम धाम मेले से सिंदूर लाए थे और दोपहर में मूंज लेने जंगल गए थे। हैदरगढ़ पुलिस ने बताया कि यह एक दुखद दुर्घटना है। परिवार की शिकायत मिलने पर पुलिस मामले की जांच करेगी।

धोखेबाज सब इंस्पेक्टर पर एफआईआर

सरप्राइज देने पहुंचा था प्रेमी वकील, आरक्षक की बाहों में आपत्तिजनक हालत में मिली थी

लखनऊ **(एजेंसी)**। ग्वालियर में प्रेमिका के धोखे से आहत वकील मृत्युंजय सिंह चौहान द्वारा सुसाइड केस में एक नया मोड़ आया है। गोला का मंदिर थाना पुलिस ने 22 दिन बाद इस केस में मुरैना पुलिस में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर प्रीति जादौन और आरक्षक अराफ़ात खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों पर वकील को आत्महत्या के लिए उकसाने और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगे हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। मामले की जड़ 12 दिसंबर की रात मानी जा रही है, जब वकील मृत्युंजय सिंह चौहान अपनी मंगेतर और मुरैना सिविल लाइन थाने में पदस्थ एसआई प्रीति जादौन को सरप्राइज देने उनके शासकीय क्वार्टर पहुंचे थे। आरोप है कि वहां उन्होंने प्रीति जादौन को आरक्षक अराफ़ात खान के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। इसी बात को लेकर वहां तीखा विवाद हुआ, जो मारपीट तक पहुंच गया। वकील का आरोप है कि दोनों ने मिलकर उनके साथ शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। घटना के बाद मृत्युंजय सिंह चौहान ने न्याय की उम्मीद में मुरैना के सिविल लाइन थाना और सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन कहीं उनकी सुनवाई नहीं हुई। आरोप है कि महिला एसआई प्रीति जादौन के प्रभाव के चलते पुलिस ने उल्टा वकील के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया।

टूट गया डॉन ब्रैडमैन का बड़ा रिकॉर्ड स्टीव स्मिथ ने रचा नया इतिहास

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने सिडनी टेस्ट में ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने उन्हें इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया। इंग्लैंड के खिलाफ 138 रनों की शानदार पारी खेलते हुए स्मिथ ने महान सर डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ दिया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

सिडनी टेस्ट में अपनी पारी के दौरान स्मिथ ने ब्रैडमैन के 5028 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 5094 रन पूरे किए। 36 वर्षीय स्मिथ ने यह उपलब्धि 90 मैचों में हासिल की, जबकि ब्रैडमैन ने यह आंकड़ा 37 मैचों में छुआ था। एशेज सीरीज के आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 567 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। स्मिथ (138) और ट्रैविस हेड के शतक की बदौलत कंगारू टीम ने मैच पर मजबूत पकड़ बनाई। स्मिथ तीसरे दिन 129 रन पर नाबाद लौटे थे और चौथे दिन सिर्फ नौ रन और जोड़कर जोश टंग की गेंद पर आउट हुए, लेकिन तब तक वह इतिहास रच चुके थे। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में स्टीव स्मिथ का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। 41 टेस्ट, 3691 रन, 13 शतक, 14 अर्धशतक, औसतः 56.78, सर्वोच्च स्कोरः 239

मलेशिया ओपन : पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर **(एजेंसी)**। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी। सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी सुपर 1000 और वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अब सिंधू का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी को अगले दौर में जगह तब मिली, जब वह मुकाबले में 21-19, 2-1 से आगे चल रही थीं और उनकी दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी सिम यू जिन चोट के कारण मैच से हट गईं।

इस बीच, विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में वे अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

सचिन तेंदुलकर की शादी तय, मशहूर बिजनेसमैन की पोती संग लेंगे सात फेरे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तेंदुलकर परिवार में जल्द ही शहनाइयां गूंजने वाली हैं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे और युवा क्रिकेटर अर्जुन तेंदुलकर अपनी मंगेतर सानिया चांदखोक के साथ शादी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की शादी की तारीख फाइनल हो चुकी है और यह खास समारोह मार्च 2026 में आयोजित किया जाएगा। अर्जुन, जो हाल ही में आईपीएल में मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रेड हुए हैं, अपने निजी जीवन में भी एक नई पारी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के चुनिंदा लोग ही शामिल होंगे। इस कपल ने शादी की दिशा में पहला कदम अगस्त 2025 में रखा था, जब दोनों ने बेहद निजी समारोह में सगाई की। इस खास मौके पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। काफी समय तक यह खबर सार्वजनिक नहीं हुई थी। सानिया चांदखोक एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित बिजनेस फैमिली से ताल्लुक

बैंक डिविडेंड को लेकर आरबीआई का बड़ा और चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय बैंकिंग सिस्टम को और अधिक सुरक्षित व स्थिर बनाने की दिशा में भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों द्वारा शेयरधारकों को दिए जाने वाले डिविडेंड भुगतान को लेकर नए और सख्त ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं। इन नियमों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बैंक मुनाफा बांटने से पहले अपनी पूंजी स्थिति और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता को मजबूत करें। आरबीआई चाहता है कि बैंक पूरे मुनाफे को डिविडेंड के रूप में बांटने के बजाय उसका एक हिस्सा भविष्य के जोखिमों और अनिश्चितताओं के लिए सुरक्षित रखें। यह नियम एसबीआई सहित सभी वाणिज्यिक बैंकों और भारत में काम कर रहे विदेशी बैंकों पर लागू होंगे। हालांकि, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और पेमेंट बैंक फिलहाल इसके दायरे से बाहर रखे गए हैं।

नए नियमों का असर अल्पकाल में निवेशकों पर पड़ सकता है, क्योंकि इससे बैंकों द्वारा दिए जाने वाले डिविडेंड की राशि घट सकती है लेकिन लंबी अवधि में यह कदम बैंकिंग सेक्टर को अधिक सुरक्षित बनाएगा, जिससे जमाकर्ताओं का भरोसा बढ़ेगा और बैंक किसी भी आर्थिक झटके का बेहतर तरीके से सामना कर सकेंगे।

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि इन पात्रता शर्तों में किसी तरह की ढील नहीं दी जाएगी। जो बैंक शर्तों को पूरा नहीं करेंगे, वे न तो डिविडेंड घोषित कर पाएंगे और न ही मुनाफा विदेश भेज सकेंगे। इसके अलावा, यदि कोई बैंक बैंकिंग कानूनों या आरबीआई के निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो केंद्रीय बैंक को डिविडेंड पर रोक लगाने और प्रतिबंध लगाने का पूरा अधिकार होगा।

क्रिप्टो निवेशकों को राहत की उम्मीद, बजट में टीडीएस और टैक्स नियमों में बदलाव की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जैसे-जैसे बजट 2026 की तारीख नज़दीक आ रही है, भारत के क्रिप्टो बाजार में नई उम्मीदें जन्म ले रही हैं। बीते कुछ वर्षों से कड़े टैक्स नियमों के बोझ तले दबा यह सेक्टर अब सरकार से राहत की आस लगाए बैठा है। 2022 के बजट में लागू किए गए सख्त नियमों के बाद घरेलू क्रिप्टो बाजार में गतिविधियां सुस्त पड़ गई थीं और बड़ी संख्या में निवेशकों ने विदेशी प्लेटफॉर्म्स का रुख कर लिया था।

अब क्रिप्टो इंडस्ट्री के बड़े खिलाड़ी सरकार के सामने कुछ अहम मांगें रख रहे हैं, जिनका मानना है कि अगर इन पर गौर किया गया, तो न सिर्फ बाजार में फिर से जान आएगी, बल्कि आम निवेशकों को भी राहत मिलेगी।

क्रिप्टो इंडस्ट्री की सबसे बड़ी मांग हर ट्रांजेक्शन पर लगने वाले 1इ टीडीएस को घटाने को लेकर है। इंडस्ट्री का कहना है कि यह नियम खासकर डे-ट्रेडर्स के लिए भारी पड़ता है, क्योंकि इससे उनकी ट्रेडिंग कैपिटल लगातार फंसी रहती है। वज़ीरएक्स के संस्थापक निश्चल शेट्टी का सुझाव है कि टीडीएस को घटाकर 0.01इ किया जाए। इससे एक तरफ सरकार को ट्रांजेक्शन ट्रैक करने में मदद मिलेगी और दूसरी ओर घरेलू एक्सचेंजों पर कारोबार बढ़ेगा। वहीं, मुड्रेक्स के सीईओ एडुल पटेल का कहना है कि ऊंचे टीडीएस के चलते भारतीय निवेशक विदेशी प्लेटफॉर्म्स की ओर जा रहे हैं, जिससे देश को न तो बिजनेस मिल रहा है और न ही पूरा टैक्स रेवेन्यू।

लेनोवो का लक्ष्य तीन साल में भारत में अपना कारोबार दोगुना करना है : अधिकारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी लेनोवो का लक्ष्य अगले तीन वर्ष में भारत में अपने कारोबार को दोगुना करना है। लेनोवो (एशिया प्रशांत) के अध्यक्ष अमर बाबू ने कहा कि लेनोवो की भविष्य की वृद्धि घरेलू खपत और ''दुनिया के लिए भारत'' नवाचार रणनीति से प्रेरित होगी। बाबू ने कहा, ''भारत में लेनोवो की कहानी वृद्धि की रही है। हमारे सभी व्यवसायों में इस वृद्धि गाथा को बनाए रखने का अवसर मौजूद है। हमारे मोटोरोला व्यवसाय ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले दो वर्ष में हमारा राजस्व दोगुने से भी अधिक हो गया है। हमारा बुनियादी ढांचा व्यवसाय भी उच्च दोहरे अंकों की दर से बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सेवाओं तथा समाधानों का कारोबार उच्च दोहरे अंकों में बढ़ रहा है। हमारा दृष्टिकोण यह है कि हम अगले तीन वर्ष में अपने कारोबार को दोगुना करने में सक्षम हों।''

बाबू ने कहा, ''अगर हम इसे हासिल कर पाते हैं तो निश्चित रूप से, सही स्तर के नवाचार, बुनियादी ढांचे एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान के साथ अपनी 'बैक-एंड' क्षमता में निवेश जारी रखेंगे। साथ ही 'भारत, भारत के लिए और भारत, दुनिया के लिए' की नीति को आगे बढ़ाते रहेंगे ...मैं भारत को लेनोवो के लिए एक विकासशील व्यवसाय, एक विकासशील बाजार के रूप में देखता हूं।'' उन्होंने कहा कि लेनोवो इंडिया

दुनिया भर में कंपनी के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है जिसमें 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। अमर बाबू ने बताया कि लेनोवो अपने मुख्य 'सर्वर' को भारत में तैयार कर रही है और मोटोरोला फोन के लिए सॉफ्टवेयर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय स्तर पर विकसित किया जाता है।

भारत में लेनोवो की भर्ती योजनाओं के बारे में बाबू ने विशिष्ट संख्याएं साझा नहीं कीं लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि कंपनी व्यापारिक वृद्धि का समर्थन करने के लिए समय से पहले ही संसाधनों को जोड़ना जारी रखेगी। लेनोवो इंडिया का जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हो गया था। इसकी मुख्य वजह डिजिटलीकरण, प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के ढांचे में बदलाव के बाद उपभोक्ता भावना में सुधार थी।

देश के शीर्ष आठ शहरों में 2025 में आवासीय ब्रिकी में एक प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के आठ प्रमुख शहरों में 2025 में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 3.48 लाख इकाइयों से अधिक रही। हालांकि औसत मूल्य वृद्धि में 19 प्रतिशत तक की वृद्धि के बीच मांग स्थिर बनी रही। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया बुधवार को ऑनलाइन एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गृह ऋण पर ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक वृद्धि और कम मुद्रास्फीति कुछ ऐसे प्रमुख कारक थे जिन्होंने आसन्न मंदी की आशंकाओं के बावजूद 2025 कैलेंडर वर्ष के दौरान आवास की मांग को बनाए रखने में मदद की। आंकड़ों के अनुसार, देश के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 2025 में एक प्रतिशत घटकर 3, 48, 207 इकाई हो गई। यह आंकड़े केवल प्राथमिक आवासीय बाजार से संबंधित हैं।

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) शिशिर बैजल ने कहा कि भारित औसत कीमतों में वृद्धि के बावजूद पिछले वर्ष बिक्री की गति जारी रही। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''आवासीय बिक्री में अनिवासी भारतीयों का योगदान एक दशक पहले एकल अंक से बढ़कर 12 से 15 प्रतिशत हो गया है।'' इन आठ शहरों में मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं।

एशेज सिडनी टेस्ट : जैकब बेथेल का ऐतिहासिक शतक, कपिल देव के विशिष्ट क्लब में हुए शामिल

सिडनी **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे पांचवें एशेज टेस्ट में इतिहास रच दिया। चौथे दिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने करियर का पहला फर्स्ट-क्लास शतक जड़ते हुए न सिर्फ इंग्लैंड को अहम बढ़त दिलाई, बल्कि कपिल देव के विशिष्ट क्लब में भी जगह बना ली। 22 वर्षीय बेथेल की यह पारी एशेज के लिहाज से भी कई मायनों में खास रही।

जैकब बेथेल उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक ही मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला फर्स्ट-क्लास और लिस्ट-ए शतक लगाया हो। इस दुर्लभ उपलब्धि की सूची में कपिल देव, मार्लोन सैमुअल्स, मेहदी हसन मिराज और कर्टिस कैम्फर जैसे नाम शामिल हैं। बेथेल यह कारनामा करने वाले पांचवें क्रिकेटर और एशेज में ऐसा करने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं।

22 साल और 76 दिन की उम्र में बेथेल, दूसरे विश्व युद्ध के बाद के दौर में एशेज में शतक बनाने वाले इंग्लैंड के सबसे युवा बल्लेबाजों में शुमार हो गए। उनसे कम उम्र में यह उपलब्धि केवल डेविड गोवर और एलिस्टर कुक ने हासिल की थी। यह रिकॉर्ड उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआती चमक को और रेखांकित करता है। बाएं हाथ के बल्लेबाज बेथेल ने अपना शतक ब्यू वेबस्टर की गेंद पर आगे बढ़कर मिड-विकेट के ऊपर से शानदार शॉट लगाकर पूरा किया। इसके बाद उन्होंने हेलमेट उतारकर तालियों के बीच

बल्ला उठाया स्टैंड में मौजूद उनका परिवार भी इस यादगार पल का गवाह बना। बेथेल 1989 में जैक रसेल के बाद टेस्ट में अपना पहला फर्स्ट-क्लास शतक लगाने वाले पहले इंग्लैंड खिलाड़ी बने। एशेज इतिहास में ऐसा करने वाले वह कुल आठवें खिलाड़ी हैं। मौजूदा इंग्लिश क्रिकेटरों में वह हेनरी वुड, जैक रसेल, स्टुअर्ट ब्रॉड और गस एटकिंसन के बाद इस सूची में शामिल हुए।

बेथेल की यह पारी बेहद अहम रही। ऑस्ट्रेलिया के कड़े प्रतिरोध के बावजूद इंग्लैंड ने मामूली बढ़त हासिल की, जिससे एशेज की कहानी में एक नया, संतुलित अध्याय जुड़ा। इस पारी ने इंग्लैंड के मध्यक्रम में दीर्घकालिक विकल्प के तौर पर बेथेल की दावेदारी को मजबूत किया है।

शेयर बाजार में सेंसेक्स-निफ्टी लुढ़के, 3 फैक्टर ने तोड़ा बाजार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में बुधवार 7 जनवरी को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में कमजोरी देखने को मिली। सेंसेक्स 102 अंक या 0.12इ की गिरावट के साथ 84, 961 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 37 अंक या 0.14इ टूटकर 26, 140 के स्तर पर पहुंच गया। भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर ग्लोबल संकेतों के चलते बाजार का सेंटीमेंट दबाव में बना हुआ है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक गिर गया, जबकि निफ्टी फिसलकर 26, 100 के नीचे आ गया।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और टैरिफ से जुड़ी नई आशंकाओं ने निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता को कमजोर किया है। इनरीच के सीईओ पोनमुदी आर के मुताबिक, ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के कारण बाजार सीमित दायरे में बना रह सकता है। उनका कहना है कि मौजूदा माहौल में किसी बड़े ट्रेंड की बजाय स्टॉक और सेक्टर आधारित हलचल देखने को मिलेगी। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 107.63 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की। जनवरी महीने में अब तक एफआईआई लगभग 3, 100 करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। विदेशी निवेशकों की यह लगातार निकासी बाजार की लिक्विडिटी और निवेशकों के भरोसे पर असर डाल रही है।

कार्तिक आर्यन के साथ नाम जुड़ने पर भड़कीं वायरल गर्ल करिना कुबिलियूट, बायो में लिखा- 'मैं उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हूँ'

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्टर ने अपनी हाल की गोवा छुट्टियों से एक आरामदेह बीच की तस्वीर शेयर की थी। हालांकि, इस सोशल मीडिया पोस्ट ने फैंस को हैरान कर दिया क्योंकि कई लोगों ने उनकी फोटो और करिना कुबिलियूट नाम की एक लड़की द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरों में समानताएं बताईं, जो कथित तौर पर ग्रीस की रहने वाली है और अभी यूके में पढ़ाई कर रही है। तब से, इंटरनेट पर उनके कथित रिश्ते को लेकर अटकलों का बाज़ार गर्म है। अब, खुद उसने इन अफवाहों को खारिज कर दिया है। करिना ने अपने इंस्टाग्राम बायो में लिखा, 'मैं कार्तिक को नहीं जानती, मैं उसकी गर्लफ्रेंड नहीं हूँ, मैं अपने परिवार के साथ छुट्टियों पर हूँ।'

करिना कुबिलियूट 18 साल की लिथुआनियाई मूल की छात्रा है, जो फिलहाल यूके में पढ़ाई कर रही है - हालांकि कुछ रेडिट यूजर्स ने उसे ग्रीस का भी बताया है। किसी भी जानकारी की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। अफवाहें तब फैलीं जब सोशल मीडिया यूजर्स ने कार्तिक और करिना द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में साफ समानताएं बताईं। यूजर्स ने एक जैसे बीच लाउंजर, मिलते-जुलते तौलिए के पैटर्न और यहां तक कि दोनों तस्वीरों के बैकग्राउंड में एक वॉलीबॉल कोर्ट भी देखा। अफवाहें तेजी से फैलीं,

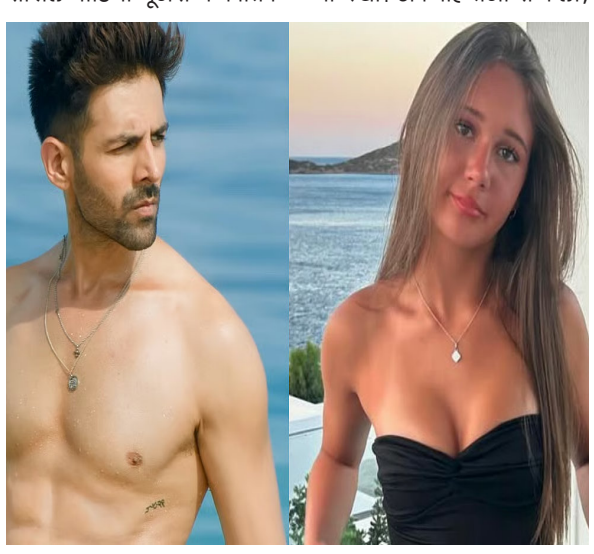

रेडिट पर स्क्रीनशॉट की बाढ़ आ गई और कई लोगों ने कहा कि वे एक साथ छुट्टियां मना रहे थे।

अफवाहों को और हवा तब मिली जब कुछ ऑनलाइन यूजर्स ने दावा किया कि कार्तिक तब तक करिना को इंस्टाग्राम पर फॉलो कर रहे थे जब तक उनकी तस्वीरों पर लोगों का ध्यान नहीं गया। कार्तिक ने अभी तक ऑनलाइन चर्चा पर कोई जवाब नहीं दिया है। काम की बात करें तो, एक्टर हाल ही में अनन्या पांडे के साथ फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में दिखे थे। यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इसे मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था।

वह अगली बार फिल्म नागज़िलाः नाग लोक का पहला कांड और अनुराग बसु की अगली रोमांटिक फिल्म में श्रीलीला के साथ नज़र आएंगे। अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार, बाद वाली फिल्म का अस्थायी टाइटल तू मेरी ज़िंदगी है।

म्यूजिक चार्ट पर कब्जा! 'द फेट ऑफ़ ओफेलिया' के साथ टेलर स्विफ्ट ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड, नंबर 1 पर बनाया सबसे लंबा सफर

टेलर स्विफ्ट का हिट गाना 'द फेट ऑफ़ ओफेलिया' आधिकारिक तौर पर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। 10 जनवरी के हफ़्ते में, स्विफ्ट के 2025 एल्बम 'द लाइफ़ ऑफ़ ए शोगर्ल' का लीड सिंगल बिलबोर्ड के हॉट 100 चार्ट पर नंबर 1 पर लौट आया, जिससे यह कुल नौ हफ़्ते तक टॉप पर रहा। इस शानदार नई उपलब्धि का मतलब है कि 'द फेट ऑफ़ ओफेलिया' ने आधिकारिक तौर पर सिंगर के पिछले 2022 के चार्ट-टॉपर, 'एंटी-हीरो' को पीछे छोड़ दिया है और उनका सबसे लंबे समय तक नंबर 1 रहने वाला सिंगल बन गया है। 'एंटी-हीरो' भी 2022 में स्विफ्ट के 10वें स्टूडियो एल्बम, मिडनाइट्स के रिलीज़ होने के बाद चार्ट में 8 हफ़्ते तक टॉप पर रहा था।

यह उपलब्धि खास तौर पर इसलिए ध्यान देने लायक है क्योंकि छुट्टियों के मौसम में मुकाबला बहुत ज़्यादा होता है, जिसमें अक्सर नए सीज़नल ट्रैक आने से पुराने हिट गाने रैंकिंग में नीचे चले जाते हैं। 'द फेट ऑफ़ ओफेलिया' न सिर्फ़ टॉप पर लौटा, बल्कि उसने स्विफ्ट के पिछले हिट 'एंटी-हीरो' को भी पीछे छोड़ दिया, जिसने पहले सबसे ज़्यादा लगातार हफ़्तों तक नंबर 1 पर रहने का रिकॉर्ड बनाया था।

अपने बड़े चार्ट इतिहास के मामले में, स्विफ्ट की यह ताज़ा उपलब्धि उन्हें बिलबोर्ड हॉट 100 के इतिहास के टॉप कलाकारों में शामिल करती है। हालिया इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नौवें हफ़्ते के साथ, वह चार्ट के इतिहास में चौथे सबसे ज़्यादा नंबर 1 सिंगल्स के अपने दावे को और मज़बूत करती हैं। उनके गानों की लगातार सफलता स्विफ्ट की स्थायी लोकप्रियता और बड़े दर्शक वर्ग के बीच उनकी अपील को दिखाती है। इस हफ़्ते हॉट 100 पर अन्य उल्लेखनीय परफॉर्मेंस में हंटर/एक्स का गोल्डन नंबर 2 पर पहुंचना और एलेक्स वॉरेन का ऑर्डिनरी और ओलिविया डीन का मैन आई नीड टॉप पांच में शामिल होना शामिल है। एला लैंगली का चूज़िन टेक्सास टॉप दस में शामिल हुआ है, जो एक गतिशील और प्रतिस्पर्धी सिंगल्स चार्ट का संकेत

देता है। इस हफ़्ते बिलबोर्ड हॉट 100 में केहलानी, सोम्बर, लियोन थॉमस और जस्टिन बीबर जैसे अन्य कलाकारों की लगातार सफलता भी देखी गई, जिनमें से हर किसी ने टॉप दस में जगह बनाई। स्विफ्ट का अपना ओपलाइट भी नंबर 8 पर है, जो मौजूदा चार्ट पर उनके प्रभाव की व्यापकता को दर्शाता है।

एल्बम के मोर्चे पर, स्विफ्ट अपना दबदबा बनाए हुए हैं क्योंकि उनका एल्बम द लाइफ़ ऑफ़ ए शोगर्ल बिलबोर्ड 200 पर लगातार बारहवें हफ़्ते नंबर 1 पर बना हुआ है। यह लगातार प्रदर्शन संगीत इंडस्ट्री में सबसे आगे उनकी स्थिति को और मज़बूत करता है।

टॉप दस में शामिल अन्य एल्बमों में मॉर्गन वॉलन का आई एम द प्रॉब्लम, केपॉप डेमन हंटर्स साउंडट्रैक, ओलिविया डीन का द आर्ट ऑफ़ लविंग और सबरीना कारपेंटर का मैन्स बेस्ट फ्रेंड शामिल हैं, जो वर्तमान में श्रोताओं के बीच लोकप्रिय विभिन्न शैलियों को उजागर करते हैं।

वार्ड 38 में अनुभव, विरासत और विकास का भरोसा

महायुति की संयुक्त उम्मीदवार रिशिता मंगेश चाचे को मिल रहा मज़बूत जनसमर्थन

दिव्यांश

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 में वार्ड नंबर 38 इस बार सिर्फ चुनावी मैदान नहीं, बल्कि अनुभव बनाम खोखले वादों की सीधी लड़ाई का केंद्र बन चुका है। वर्षों से लंबित विकास कार्य, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और राजनीतिक अस्थिरता से ऊबी जनता अब ऐसे नेतृत्व की तलाश में है, जो केवल भाषण नहीं, बल्कि काम का रिकॉर्ड लेकर मैदान में उतरे।

इसी भरोसे की मजबूत प्रतीक बनकर उभरी हैं महायुति (भाजपा-शिवसेना) की संयुक्त उम्मीदवार और पूर्व नगरसेविका रिशिता मंगेश चाचे।

पूर्व नगर सेवक आत्माराम चाचे का अनुभव भी इनके साथ जुड़ा हुआ है
रिशिता मंगेश चाचे वार्ड 38 के लिए कोई नया नाम नहीं हैं। उनके ससुर आत्मा राम चाचे यहाँ से पहले भी नगर सेवक रह चुके हैं। महिला सीट होने के नाते इस बार यहाँ से उनकी बहू रिशिता चाचे मैदान में है ।अपने पिछले कार्यकाल के दौरान उन्होंने सड़कों की मरम्मत, नालों की सफाई, जल आपूर्ति व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य सेवाओं और स्थानीय नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई अहम मुद्दों पर ठोस और दिखाई देने वाला काम किया। आज जब वार्ड की जनता अनुभव और कार्यक्षमता को प्राथमिकता दे रही है, तब उनका पिछला कार्यकाल उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आ रहा है।

राजनीतिक विरासत से जुड़ा भरोसा
वार्ड 38 में रिशिता चाचे को सिर्फ उनके व्यक्तिगत काम के लिए नहीं, बल्कि परिवार की राजनीतिक विरासत और जनसेवा की परंपरा के कारण भी व्यापक समर्थन मिल रहा है। शिवसेना से जुड़े उनके ससुर पहले भी इसी वार्ड से नगरसेवक रह चुके हैं।

इस वजह से यह परिवार दशकों से वार्ड की समस्याओं, नागरिक मुद्दों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से भली-भांति परिचित रहा है। स्थानीय मतदाताओं के बीच यह धारणा मज़बूत होती जा रही है कि यह उम्मीदवार वार्ड की ज़रूरतों को समझती भी है और सिस्टम से काम निकालना भी जानती है।

महिला आरक्षित सीट पर सशक्त और अनुभवी चेहरा
वार्ड नंबर 38 इस बार महिला आरक्षित सीट है। इसी को ध्यान में रखते हुए महायुति ने किसी प्रयोग के बजाय अनुभव और भरोसे को प्राथमिकता दी और रिशिता मंगेश चाचे को संयुक्त प्रत्याशी बनाया।

महिला होने के साथ-साथ प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक समर्थन का

यह संयोजन उन्हें अन्य उम्मीदवारों से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में खड़ा करता है।

महायुति की एकजुट ताकत, विकास की ठोस गारंटी
इस चुनाव में रिशिता चाचे को भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) की पूर्ण और संगठित ताकत का समर्थन प्राप्त है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ दलों से सीधा तालमेल होने के कारण विकास निधि, प्रशासनिक सहयोग और योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन की संभावना महायुति उम्मीदवार के पक्ष में कहीं अधिक है।

वार्ड 38 में महायुति की एकजुटता विपक्ष के बिखरे समीकरणों पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है।

स्पष्ट एजेंडाः अधूरे काम पूरे करने का संकल्प
रिशिता चाचे का चुनावी संदेश पूरी तरह स्पष्ट और ज़मीनी मुद्दों पर केंद्रित है –
'मैंने पहले भी काम किया है और अब अधूरे विकास कार्य पूरे करने आई हूं।'

उनके प्रमुख एजेंडे में स्थायी जल निकासी व्यवस्था, बेहतर सड़कें, महिला सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएं और युवाओं के लिए रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं।

महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और मध्यमवर्ग का भरोसा
 ऋषिता चाचे की पहचान एक सुलभ, संवेदनशील और जवाबदेह जनप्रतिनिधि के रूप में है।

महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और मध्यमवर्गीय परिवारों में उन्हें लेकर विशेष भरोसा दिखाई दे रहा है। स्थानीय समस्याओं पर तत्काल हस्तक्षेप, प्रशासन से सीधा संवाद और फॉलो-अप उनकी कार्यशैली की पहचान रही है।

वार्ड 38 में चुनाव नहीं, परफॉर्मेंस पर जनमत
इस बार वार्ड 38 की जनता का सवाल बेहद साफ है –
'अनुभव किसके पास है और विकास कौन करा सकता है?'
इसी सवाल के जवाब के रूप में महायुति की संयुक्त उम्मीदवार रिशिता मंगेश चाचे मजबूती से सामने आ रही हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अनुभव, पारिवारिक जनसेवा की विरासत, संगठन की ताकत और सरकार से सीधा जुड़ाव उन्हें वार्ड 38 की सबसे सशक्त और निर्णायक दावेदार बनाता है।

वार्ड 38 में यह चुनाव अब केवल जीत-हार का नहीं, बल्कि भरोसे, अनुभव और विकास की राजनीति का स्पष्ट जनमत बनता जा रहा है।

वार्ड 37 में निर्णायक जंग : काम बनाम खोखले वादे,

भाजपा उम्मीदवार प्रतिभा हेमंत शिंदे मैदान में पूरे दमखम के साथ

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वार्ड क्रमांक 37 इस बार सिर्फ़ चुनाव नहीं, बल्कि जवाबदेही की परीक्षा लड़ रहा है। वर्षों से उपेक्षा, गड्ढों वाली सड़कें, अनियमित सफ़ाई और अधूरे काम झेल रही जनता अब साफ़ कह रही है - अब बहाने नहीं, काम चाहिए। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने प्रतिभा हेमंत शिंदे को मैदान में उतारकर यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि वार्ड 37 में अब मजबूत, निडर और परिणाम देने वाला नेतृत्व आएगा।

प्रतिभा शिंदे कोई हवा-हवाई उम्मीदवार नहीं, बल्कि संगठन की तपिश में तपकर निकलीं जमीनी नेता हैं। वे जनता के बीच रहकर समस्याओं को सुनने वाली नहीं, बल्कि समस्याओं पर सीधे वार करने वाली उम्मीदवार के रूप में सामने आई हैं। उनका सीधा सवाल है - 'टैक्स हम देते हैं, सुविधाएं हमें क्यों नहीं?'
यही सवाल आज वार्ड 37 की आवाज़ बन चुका है।

जहाँ अन्य दल चुनाव आते ही वादों की झड़ी लगाते हैं, वहीं प्रतिभा शिंदे टाइमलाइन और जवाबदेही की बात कर रही हैं।

गड्ढामुक्त सड़कें
नियमित पानी आपूर्ति
साफ़-सुथरा वार्ड
महिलाओं की सुरक्षा
युवाओं के लिए अवसर
ये उनके लिए नारे नहीं, बल्कि कार्यसूची है।

भाजपा की डबल इंजन सोच, मजबूत संगठन और प्रशासनिक पकड़ का सीधा लाभ वार्ड 37 को मिलेगा, यह विश्वास जनता में गहराता जा रहा है। प्रचार के दौरान गलियों, सोसाइटियों और बाजारों में जिस तरह का समर्थन मिल रहा है, उसने विरोधियों की बेचैनी बढ़ा दी है। अंदरखाने यह स्वीकार किया जा रहा है कि भाजपा उम्मीदवार को रोकना आसान नहीं होगा।

वार्ड 37 के मतदाता अब भावनाओं में बहने वाले नहीं हैं। वे पूछ रहे हैं - पिछले सालों में किसने काम किया? किसने आवाज़ उठाई? किसने

संघर्ष किया? इन सवालों के जवाब में नाम एक ही उभरता है - प्रतिभा हेमंत शिंदे।

इस बार वार्ड 37 में मुकाबला सिर्फ़ प्रत्याशियों के बीच नहीं, बल्कि
काम बनाम नाकामी,
नेतृत्व बनाम दिखावा,
भविष्य बनाम पिछड़ापन
के बीच है।
और संकेत साफ़ हैं -
वार्ड 37 बदलाव के मूड में है,
और बदलाव का नाम है - प्रतिभा हेमंत शिंदे।

वार्ड क्रमांक 43 में कांग्रेस का आक्रामक दावाः सुदर्शन फूलचंद सोनी के साथ खड़ा है जनमत

दिव्यांश

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वार्ड क्रमांक 43 इस बार सिर्फ़ चुनाव नहीं, बल्कि जवाब देने का अवसर बन चुका है। वर्षों से अनदेखी, टूटी सड़कों, गंदगी और बुनियादी सुविधाओं की कमी से परेशान जनता अब खोखले वादों से नहीं, बल्कि ज़मीन पर काम करने वाले नेतृत्व से सवाल कर रही है। ऐसे माहौल में कांग्रेस के उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी जनता की मज़बूत आवाज़ बनकर उभरे हैं।

सुदर्शन सोनी कोई पोस्टर उम्मीदवार नहीं हैं। वे हर गली, हर बस्ती और हर समस्या से सीधे जुड़े रहे हैं। पानी की किल्लत हो, नालों की बदहाली, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी या बेरोज़गारी–उन्होंने सिर्फ़ बयान नहीं दिए, बल्कि लड़कर अधिकार दिलाने का काम किया है। यही वजह है कि वार्ड 43 में उनका नाम अब बदलाव का पर्याय बनता जा रहा है।

स्थानीय नागरिक खुलकर कह रहे हैं कि उन्हें ऐसा प्रतिनिधि नहीं चाहिए जो चुनाव जीतकर ग़ायब हो जाए, बल्कि ऐसा जनसेवक चाहिए जो सवाल पूछे, प्रशासन को घेरें और ज़रूरत पड़े तो सड़क पर उतरकर जनता की लड़ाई लड़े। सुदर्शन सोनी इसी राजनीति का चेहरा हैं–बेबाक, स्पष्ट और जवाबदेह।

कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे सुदर्शन सोनी ने साफ़ ऐलान किया है कि सत्ता नहीं, सेवा उनका लक्ष्य है। यदि जनता ने उन्हें मौका दिया, तो वार्ड 43 में गंदगी, भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और युवाओं के रोज़गार पर ठोस और समयबद्ध काम होगा–यह केवल वादा नहीं, प्रतिबद्धता है।

वार्ड 43 में चुनावी माहौल अब एकतरफ़ा नारों से आगे बढ़ चुका है। मतदाता पूछ रहे हैं–काम कौन करेगा? जवाब कौन देगा? और इन्हीं सवालों का सबसे मज़बूत जवाब बनकर सामने आ रहे हैं सुदर्शन फूलचंद सोनी। यही कारण है कि वार्ड में कांग्रेस का पलड़ा लगातार भारी होता दिखाई दे रहा है।

पिछले कार्यकाल का प्रत्यक्ष रिकॉर्ड बनेगा जीत का कारण -विष्णु सावंत

वार्ड 39 में विजय का शंखनादः विनया विष्णु सावंत के चुनाव प्रचार कार्यालय का भव्य उद्घाटन,

भगवान राम हमारे साथ हैं हमारी जीत सुनिश्चित है -विनया विष्णु सावंत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव की सरगर्मियों के बीच वार्ड क्रमांक 39, कांदिवली पूर्व में आज भाजपा प्रत्याशी विनया विष्णु सावंत के चुनाव प्रचार कार्यालय का उद्घाटन पूरे जोश और शक्ति प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ। कार्यालय के शुभारंभ के साथ ही वार्ड 39 में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ होती दिखाई देने लगी है।

इस अवसर पर आमदार राजहंस सिंह तथा उत्तर पश्चिम जिला अध्यक्ष ज्ञानमूर्ति शर्मा के करकमलों से कार्यालय का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों की भारी उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि वार्ड 39 की जनता बदलाव और विकास के पक्ष में निर्णायक मन बना चुकी है।

आमदार राजहंस सिंह ने अपने संबोधन में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'जो लोग सालों तक सत्ता में

रहकर भी वार्ड को मूलभूत सुविधाएं नहीं दे पाए, वे आज झूठे वादों के सहारे जनता को भ्रमित करना चाहते हैं। लेकिन अब जनता जाग चुकी है और विकास, सुरक्षा व ईमानदार नेतृत्व के साथ खड़ी है।'

जिला अध्यक्ष ज्ञानमूर्ति शर्मा ने कहा कि 'विनया विष्णु सावंत केवल प्रत्याशी नहीं, बल्कि वार्ड 39 की जनभावनाओं की सशक्त आवाज़ हैं। शिवसेना का हर कार्यकर्ता बूथ-बूथ जाकर यह संदेश देगा कि यह चुनाव विकास बनाम विनाश का है।'

प्रत्याशी विनया विष्णु सावंत ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका चुनाव प्रचार कार्यालय सिर्फ एक दफ्तर नहीं, बल्कि वार्ड 39 के हर नागरिक की समस्याओं का समाधान केंद्र होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'वार्ड 39 को अब खोखले आश्वासनों की नहीं, ठोस काम की ज़रूरत है। मैं जनता से किए हर वादे को जमीन पर उतारने के लिए पूरी ताकत से लड़ूंगी।'

कार्यालय उद्घाटन के साथ ही यह संदेश साफ हो गया है कि वार्ड 39 में शिवसेना पूरी तैयारी और आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में उतर चुकी है ।

वार्ड 39 में अब सवाल सिर्फ जीत का नहीं, बल्कि कितने बड़े अंतर से जीत का है।

पुणे नगर निगम चुनावः

पिछली बार बीजेपी ने मारी थी बाजी, इस बार बदले समीकरण, कौन-किसके साथ?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में आगामी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव को लेकर गहमागहमी तेज है. इसमें पुणे नगर निगम चुनाव को लेकर सभी सियासी दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है. आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है. कई वार्डों में कड़ी टक्कर होने की उम्मीद जताई जा रही है. बड़ी पार्टियों ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है और अपने पुराने सहयोगियों के खिलाफ उम्मीदवार उतारे हैं.

पुणे नगर निगम चुनाव में 41 वार्डों से कुल 165 पार्षदों का चुनाव होगा. 12 से ज़्यादा सीटों पर पूर्व पार्षद सीधे मुकाबले में हैं. पुणे सिविक बॉडी ने चुनावों के लिए लगभग 4,000 पोलिंग स्टेशन बनाए हैं. वोटिंग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ही होगी।

पुणे में बीजेपी, शिंदे और अजित पवार अलग लड़ रहे चुनाव

महाराष्ट्र में अभी देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति की सरकार है. महायुति में बीजेपी के साथ अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी, शिंदे गुट की शिवसेना गठबंधन का हिस्सा है. लेकिन लोकसभा और विधानसभा चुनाव से हटकर महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम

चुनाव में गठबंधन को लेकर कुछ अलग तस्वीर बनी हुई है. PMC में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी तीनों अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं.

पुणे में अजित पवार ने चाचा से मिलाया हाथ

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों के लिए अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (एसपी) से गठबंधन किया है. वहीं, पुणे में कांग्रेस ने ठाकरे ब्रदर्स के साथ गठबंधन किया है. जबकि यही कांग्रेस बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के साथ आने से नाराजगी जताते हुए अलग चुनाव लड़ रही है.

पुणे नगर निगम में किसका दबदबा?

पुणे महानगर पालिका की सत्ता पर साल 2017 से 2022 तक बीजेपी का कब्जा रहा. इससे पहले 2007 से 2017 तक अविभाजित एनसीपी का यहां दबदबा रहा लेकिन 2017 के चुनाव में बीजेपी ने यहां विजयी पताका लहराया.

महाराष्ट्र में पुणे समेत 29 नगर निगम के चुनाव कब?

गौरतलब है कि कि पुणे समेत महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के लिए 15 जनवरी को वोटिंग होनी है. जबकि नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे. 30 दिसंबर पुणे और महाराष्ट्र के 28 अन्य नगर निगमों के चुनावों को लेकर नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी.

उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ क्यों अलग पार्टी बनाने की पड़ी जरूरत? शिंदे गुट के दीपक केसरकर का बड़ा खुलासा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मियों के बीच शिवसेना के विधायक और पूर्व मंत्री दीपक केसरकर ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के विचारों पर चलने वाली शिवसेना कभी भी कांग्रेस के विचारों से सहमत नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस का साथ छोड़कर महायुति की सरकार बनाई गई. बीजेपी और शिवसेना की विचारधारा हिंदुत्व की है और इसी वजह से महायुति मजबूती से कायम है.

'वीर सावरकर विरोधी है कांग्रेस'

शिवसेना नेता दीपक केसरकर ने साफ शब्दों में ये भी कहा कि कांग्रेस हमेशा से वीर सावरकर विरोधी रही है. ऐसे में कांग्रेस का समर्थन करने वाली शिवसेना यूबीटी को जनता ने पिछले चुनावों में घर बैठा दिया. उन्होंने यह भी कहा कि वीर सावरकर का सबसे अधिक अपमान राहुल गांधी ने किया है और उद्धव ठाकरे की पार्टी उसी विचारधारा के साथ खड़ी है.

'बीजेपी अनैतिक युति को नहीं देगी महत्व'

प्रेस के माध्यम से दीपक केसरकर ने उम्मीद जताई कि महायुति गठबंधन की सहयोगी पार्टी बीजेपी अनैतिक युति को कोई महत्व नहीं देगी. वहीं शिवसेना की ओर से अंबरनाथ को लेकर जो प्रस्ताव दिया गया है, उस पर बीजेपी सकारात्मक रूप से विचार करेगी, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया.

श्रीकांत शिंदे की बीजेपी से कार्रवाई की मांग

वहीं अंबरनाथ में कांग्रेस और अकोट में एमआईएम के साथ बीजेपी के गठबंधन को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर शिवसेना के सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस गठबंधन के बारे में बीजेपी के नेताओं से ही पूछा जाना चाहिए. जिस कांग्रेस के विरोध में बीजेपी और शिवसेना वर्षों से लड़ती रही हैं, उसी कांग्रेस के साथ बीजेपी के स्थानीय नेताओं ने सत्ता के लालच में गठबंधन किया है. यह पूरी तरह गलत है और इस मामले में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को कड़ा एक्शन लेना चाहिए.

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)